घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 195- रविवार 17 - मई 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

ये दुनिया के लिए आपदाओं का दशक...पहले कोरोना,फिर युद्ध,अब ऊर्जा संकट : पीएम मोदी

नई दिल्ली,16 मई 2026। मोदी ने कहा कि आज मानवता के सामने अनेक बड़ी चुनौतियां हैं। पहले कोरोना,फिर युद्ध और अब ऊर्जा संकट से जूझ रही है। ये दशक दुनिया के लिए आपगदाओं का दशक बन गया है। अगर हालात नहीं बदले तो बीते अनेक दशकों के काम पर पानी फिर जाएगा। दुनिया की बहुत बड़ी आबादी गरीबी के दलदल में फंस जाएगी। मोदी ने अपने संबोधन में कहा...कि 2025 में भारत में करीब 44 करोड़ हजार नए स्टार्टअप स्टाट हुए हैं। पिछले साल भारत में 1.25 लाख से ज्यादा पेटेंट फाइल हुए। भारत चिप मेकिंग में सेमीकंडक्टर में भी बड़े कदम उठा रहा है। 12 सेमीकंडक्टर प्लांट पर काम चल रहा है। इनमें से 2 में प्रोडक्शन शुरू हो चुका है। अब चिप भी डिजाइन इन इंडिया,मेड इन इंडिया होगी। भारत की ये जर्नी हमारे लोकतंत्र को मजूबूत बना रही है। मोदी ने कहा कि भारत में एक साल में 20 बिलियन से ज्यादा यूपीआई ट्रांजेक्शन हुए हैं। यानी पूरी दुनिया में हो रहे ट्रांजेक्शन का आधे से ज्यादा भारत में हो रहा है। स्टार्टअप तो आज भारत के युवाओं का मिजाज बन चुका है। 12 साल पहले देश में 500 से भी कम स्टार्ट-अप थे। आज यह 2 लाख से ज्यादा हो गई है। स्टार्टअप की दुनिया में भी 2014 में सिर्फ 4 यूनिकॉर्न थे आज 125 एक्टिव यूनिकॉर्न हैं।

मोदी ने भारत-नीदरलैंड की दोस्ती को कमल-ट्यूलिप जैसा बताया...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत और नीदरलैंड के रिश्तों की तुलना कमल और ट्यूलिप फूल से की। उन्होंने कहा कि जैसे नीदरलैंड पूरी दुनिया में ट्यूलिप फूलों के लिए मशहूर है, वैसे ही भारत कमल के लिए जाना जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कमल और ट्यूलिप दोनों हमें एक खास सीख देते हैं। चाहे जड़ें पानी में हों या मिट्टी में,असली ताकत और खूबसूरती अपनी जड़ों से ही मिलती है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत और नीदरलैंड के संबंध भी इसी तरह मजबूत हैं और दोनों देश मिलकर आगे बढ़ रहे हैं।

पीएम बोले...नीदरलैंड यूरोप में भारत एंट्री का नैचुरल गेटवे बनेगा

पीएम ने कहा कि भारतीय बिजनेस के लिए यूरोप में एंट्री का नैचुरल गेटवे नीदरलैंड बनेगा। इस जर्नी में हमारा प्रवासी समुदाय भरोसेमंद ब्रिज बन सकता है। नीदरलैंड ट्यूलिप की धरती है। यहां के खूबसूरत फूल को देखने के लिए दुनिया से लोग आते हैं। भारत में भी दुनिया के सबसे बड़े ट्यूलिप गार्डन जम्मू कश्मीर में है। जिस तरह नीदरलैंड को ट्यूलिप के लिए जाना जाता है वैसे ही भारत कमल के लिए जाना जाता है। ट्यूलिप और कमल दोनों फूल हमें बताते हैं कि जड़े जाहे पानी में हो या धरती पर अगर सही पोषण मिले तो सुंदरता भी मिलती है और मजबूती भी आ जाती है।

मोदी बोले...आज की दुनिया नई चुनौतियों से जूझ रही...

द हेग में अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि आज की दुनिया नई चुनौतियों से जूझ रही है। पहले कोरोना,फिर युद्ध और अब एनर्जी क्राइसिस है। ये दशक दुनिया के लिए आपदाओं का दशक बन गया है। अगर ये नहीं बदला तो बीते अनेक दशकों के काम पर पानी फिर जाएगा। दुनिया की बहुत बड़ी आबादी गरीब हो जाएगी।

मोदी बोले...आगे बढ़ना है तो बड़े सपने देखने ही होंगे

मोदी ने कहा कि दुनिया का कोई भी देश हो अगर उसे आगे बढ़ना चाहता है,तो उसे बड़े सपने देखने ही होंगे। आज हमारा भारत भी बहुत बड़े सपने देख रहा है। आज देश कह रहा है हमें सिर्फ ट्रांसफॉर्मेशन नहीं चाहिए हमें बेस्ट चाहिए और बेस्ट ही नहीं हमें फास्टेस्ट चाहिए। आज भारत का युवा आसमान छूना चाहता है,वो स्टार्टअप शुरू करना चाहता है। क्वालिटी प्रोडक्ट बनाना चाहता है। वो एआई और सेमीकंडक्टर की दुनिया में भारत का आगे ले जाना चाहता है। इसिलए ही भारत का स्टार्टअप इको सिस्टम लगातार हो रहा है। अब हम दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इको सिस्टिम वाले देश हैं। भारत चाहता है कि वह दुनिया का ग्रोथ इंज न बने। मोदी कहा कि डय नेतृत्व हमेशा भारतीय समुदाय की तारीफ करता है। उन्होंने कहा कि नीदरलैंड की समाज और अर्थव्यवस्था में भारतीयों के योगदान पर हर भारतीय को गर्व है।

एनसीबी ने 182 करोड़ रुपये का कैप्टागॉन किया जब्त,सीरियाई नागरिक गिरफ्तार

शाह बोले...नशा मुक्त भारत के संकल्प की बड़ी सफलता

नई दिल्ली,16 मई 2026। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने 'ऑपरेशन रेजपिल' के तहत एक बड़े अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 227.7 किलोग्राम कैप्टागॉन की गोलियां और चूर्ण जब्त किया है। जब्त किये गए मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत 182 करोड़ रुपये बताई गई है। मामले में सीरिया के एक नागरिक को गिरफ्तार किया गया है,जो वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी अवैध रूप से भारत में रह रहा था। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इस कार्रवाई के लिए एनसीबी की टीम को बधाई देते हुए कहा कि 'ऑपरेशन रेजपिल' के माध्यम से भारत में पहली बार कैप्टागॉन नामक मादक पदार्थ की जब्ती की गई है। मोदी सरकार 'नशामुक्त भारत' के संकल्प के प्रति प्रतिबद्ध है और भारत को मादक पदार्थों के पारगमन मार्ग के रूप में इस्तेमाल नहीं होने दिया जाएगा। गृह मंत्रालयद्य ने बताया कि विदेशी मादक पदार्थ निरोधक एजेंसी से मिली सूचना के आधार पर एनसीबी ने 11 मई को दक्षिणी दिल्ली के नेब सराय क्षेत्र में एक मकान पर छापा मारा। वहां से करीब 31.5 किलोग्राम कैप्टागॉन गोलियां बरामद की गईं,जिन्हें एक व्यावसायिक चपाती काटने वाली मशीन में छिपाया गया था। प्रारंभिक जांच में पता चला कि यह खेप सऊदी अरब के जेद्दा भेजी जानी थी। जांच में सामने आया कि गिरफ्तार सीरियाई नागरिक 15 नवंबर 2024 को पर्यटक वीजा पर भारत आया था लेकिन उसका वीजा 12 जनवरी 2025 को समाप्त हो गया था। इसके बावजूद वह अवैध रूप से भारत में रह रहा था और उसी मकान को किराये पर लेकर तस्करी गतिविधियों में शामिल था। पूछताछ के बाद एनसीबी ने 14 मई को गुजरात के मुंद्रा स्थित कंटेनर सुविधा केंद्र में एक अन्य कार्रवाई करते हुए 196.2 किलोग्राम कैप्टागॉन चूर्ण बरामद किया। यह कंटेनर सीरिया से भेजा गया था और उसमें भेड़ की ऊन घोषित माल के रूप में दर्ज थी। तलाशी के दौरान तीन बैगों में छिपाकर रखा गया मादक पदार्थ बरामद हुआ। उल्लेखनीय है कि कैप्टागन एक सिंथेटिक उत्तेजक दवा है, जिसका असली नाम फेनेथिलीन है। इसे 1960 के दशक में ध्यान संबंधी विकार और नार्कोलेप्सी जैसी बीमारियों के इलाज के लिए विकसित किया गया था। बाद में इसकी लत लगाने वाली प्रवृत्ति और दुरुपयोग की आशंका के कारण इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित कर दिया गया।

नीट-यूजी पेपर लीक केस...9वीं गिरफ्तारी,पुणे की टीचर गिरफ्तार

एनटीए ने एक्सपर्ट तैनात किया था,छात्रों को बॉटनी-जूलॉजी के कई सवाल बताए

नई दिल्ली,16 मई 2026। सीबीआई ने नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में पुणे से एक और टीचर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सीनियर बॉटनी टीचर मनिषा गुरुनाथ मांधरे के रूप में की गई है। आरोप है कि उसने परीक्षा से पहले छात्रों को बॉटनी और जूलॉजी के कई सवाल बताए थे। छात्रों को बताए गए अधिकांश सवाल 3 मई 2026 को आयोजित नीट परीक्षा के असली प्रश्नपत्र में थे। सीबीआई के मुताबिक मनिषा गुरुनाथ मांधरे को एनटीए ने नीट परीक्षा में एक्सपर्ट के तौर पर नियुक्त किया था। उसके पास बॉटनी और जूलॉजी के प्रश्नपत्रों तक पूरी पहुंच थी। जांच एजेंसी के अनुसार अप्रैल 2026 में आरोपी टीचर ने पुणे की ही रहने वाली मनिषा वाघमारे के जरिए नीट अभ्यर्थियों को जुटाया। मनिषा वाघमारे को सीबीआई पहले ही 14 मई को गिरफ्तार कर चुकी है। सीबीआई का दावा है कि मांधरे ने अपने पुणे स्थित घर पर स्पेशल कोचिंग क्लास चलाई। इन क्लास में उन्होंने बॉटनी और जूलॉजी के कई सवाल छात्रों को समझाए,

नोटबुक में लिखवाए और किताबों में मार्क करवाए। सीबीआई ने अब तक इस मामले में दिल्ली, जयपुर, गुरुग्राम,नासिक,पुणे और अहिल्यानगर से 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से 5 आरोपियों को कोर्ट में पेश कर 7 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है। वहीं, गुरुवार को गिरफ्तार दो अन्य आरोपियों को पुणे कोर्ट से ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली लाया गया है। उन्हें दिल्ली की अदालत में पेश किया जा रहा है। पिछले 24 घंटे में सीबीआई ने देशभर में 6 स्थानों पर छापेमारी की। कार्रवाई में कई अहम दस्तावेज, लैपटॉप, बैंक स्टेटमेंट और मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं।

पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह देना बंद करे,उन्हें तय करना होगा कि वे भूगोल का हिस्सा रहना चाहते हैं या इतिहास का : सेना प्रमुख उपेंद्र

नई दिल्ली,16 मई 2026। भारतीय सेना के प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा कि अगर पाकिस्तान लगातार आतंकवादियों को पनाह देता रहा और भारत के खिलाफ आतंकवाद जारी रखा, तो उन्हें खुद यह तय करना होगा कि वे आने वाले समय में भूगोल का हिस्सा बने रहना चाहते हैं या इतिहास का। दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में 'सेना संवाद' कार्यक्रम में फिर से 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसी परिस्थितियां बनने के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने यह बयान दिया। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान को भारत विरोधी आतंकवादियों को पनाह देना बंद करना होगा।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाकिस्तान की मदद की...

इससे पहले 12 मई को विदेश मंत्रालय ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान चीन के पाकिस्तान को समर्थन देने पर कहा कि आतंकवाद की रक्षा करने वाले देशों को

दुनिया देख रही है कि वे खुद को किसके साथ जोड़ रहे हैं। उन्हें इस बात पर विचार करना चाहिए कि ऐसे काम से उनकी प्रतिष्ठा पर क्या प्रभाव पड़ता है। मंगलवार को विदेश मंत्रालय की प्रेस ब्रीफिंग के दौरान उन रिपोर्ट्स का जिक्र हुआ,जिनमें चीन ने स्वीकार किया था कि उसने मई 2025 के सैन्य संघर्ष के दौरान पाकिस्तान को तकनीकी मदद दी थी। एमईए प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस बारे में कहा कि हमने ऐसी रिपोर्टें देखी हैं जो इस बात की पुष्टि करती हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत अपनी सुरक्षा के लिए आतंकवादियों पर हमला करता है। पहलगाम में हुए आतंकी हमलों के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए करारा जवाब दिया है। यह एक सोची-समझी कार्रवाई थी, जिसका मकसद पाकिस्तान की मदद से चल रहे आतंकी अड्डों को पूरी तरह खत्म करना था। हाल ही में 7 मई को भारत ने ऑपरेशन की पहली वर्षगांठ मनाई है। ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें 26 भारतीय नागरिकों की हत्या कर दी गई थी।

चीनी इंजीनियर ने माना...विमानों को टेक्निकली तैयार किया

चीन ने शनिवार को पहली बार सार्वजनिक तौर पर माना है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उसने पाकिस्तान को मदद दी थी। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक चीनी सरकारी मीडिया सीसीटीवी पर प्रसारित इंटरव्यू में चेंगदू एयरक्राफ्ट डिजाइन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के इंजीनियर झांग हेंग ने कहा कि उनकी टीम पाकिस्तान में तकनीकी सहायता दे रही थी। उन्होंने बताया कि उनका काम लड़ाकू विमानों और उनसे जुड़े सिस्टम को पूरी तरह युद्ध के लिए तैयार रखना था। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान एयरफोर्स चीन में बने जे-10सीई लड़ाकू विमान इस्तेमाल करती है। ये विमान AVIC की सहायक कंपनी बनाती है। भारतीय सेना के डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल राहुल सिंह जुलाई 2025 में दावा कर चुके हैं कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाकिस्तान को महत्वपूर्ण सहायता दी थी।

दिल्ली-त्रिपुरा सम्पर्क क्रांति एक्सप्रेस से तीन करोड़ का अवैध सोना बरामद

गुवाहाटी,16 मई 2026। असम के बंगाईगांव जिले में अंतरराज्यीय तस्करी के खिलाफ चलाए गए अभियान में गवर्नमेंट रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने दिल्ली-त्रिपुरा सम्पर्क क्रांति एक्सप्रेस से करीब तीन करोड़ मूल्य के अवैध सोने की खेप बरामद की है। जीआरपी ने शनिवार को बताया कि रेलवे मार्ग से तस्करी कर भारी मात्रा में सोना ले जाए जाने की गुप्त सूचना मिलने के बाद जीआरपी ने ट्रेन में विशेष तलाशी अभियान चलाया। बंगाईगांव जिले से गुजरने के दौरान पुलिसकर्मियों ने ट्रेन के भीतर सघन जांच शुरू की। जांच के दौरान एक यात्री की गतिविधियां संदिग्ध लगने पर पुलिस ने उससे पूछताछ की। इसके बाद उसके सामान की तलाशी लेने पर बैग के भीतर छिपाकर रखी गई सोने की छड़ें बरामद की। गिरफ्तार आरोपित की पहचान प्रबीन सिंघा राव के रूप में हुई है। फिलहाल,उसे हिरासत में लेकर बंगाईगांव जीआरपी थाने में पूछताछ की जा रही है। पुलिस का मानना है कि इस मामले का संबंध किसी बड़े अंतरराज्यीय तस्करी गिरोह से हो सकता है। बरामद सोने की खेप कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था, इसकी जांच जारी है। साथ ही इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने का भी प्रयास किया जा रहा है।

आजम खान को हुई 2 साल की सजा कलेक्टर को लेकर दिया था विवादित बयान

रामपुर,16 मई 2026। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान दिए गए विवादित बयान के मामले में अदालत से बड़ा झटका लगा है। रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने तत्कालीन जिलाधिकारी (डीएम) के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में आजम खान को दोषी करार दिया है। आजम खान को 2 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई गई है। साथ ही 5 हज़ार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। यह मामला रामपुर के भोट थाना क्षेत्र में 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान दर्ज किया गया था। आरोप था कि चुनाव प्रचार के दौरान आयोजित एक जनसभा में आजम खान ने तत्कालीन डीएम को लेकर अभद्र और विवादित टिप्पणी की थी। चुनावी सभा में उन्होंने कहा था, 'सब डटे रहो, यह कलेक्टर-पलेक्टर से मत डरियो। यह तनखैया है और तनखैयों से नहीं डरते। देखे हैं कई मायावती के फोटो, कैसे बड़े-बड़े अफसर रूमाल निकालकर जूते साफ कर रहे हैं। उन्हीं से गठबंधन है, उन्हीं के जूते साफ कराऊंगा इनसे, अल्लाह ने चाहा। ' आजम खान के इस बयान के बाद प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से कड़ी आपत्ति जताई गई थी। आरोप था कि चुनावी मंच से दिए गए बयान से प्रशासनिक गरिमा को ठेस पहुंची और चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन हुआ।

जैविक खेती कृषि सुधार नहीं,बल्कि एक सांस्कृतिक क्रांति है : उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

गंगटोक,16 मई 2026। उपराष्ट्रपति सीसी राधाकृष्णन ने गंगटोक में आयोजित सिक्किम के 51 वें राज्य स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सिक्किम प्रकृति,संस्कृति और विकास के बीच सामंजस्य का शानदार उदाहरण है। उन्होंने राज्य की उपलब्धियों की सराहना करते हुए सिक्किम को देश का 'प्रहरी' बताया। मानन केंद्र में आयोजित समारोह में राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर, केंद्रीय संचारएवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया तथा लोकसभा सांसद इंद्रा हैंग सुब्बा समेत कई गणमान्य मौजूद रहे। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने सभी का स्वागत और अभिनंदन किया। खराब मौसम के बावजूद उपराष्ट्रपति का सिक्किम का पहला सड़क मार्ग दौरा और समारोह में उनकी मौजूदगी इस आयोजन को विशेष और

ऐतिहासिक बना गई। इस दौरान राज्य के विकास और समृद्ध भविष्य से जुड़ी कई परिवर्तनकारी परियोजनाओं का वर्चुअल उद्घाटन भी किया गया। इस मौके पर उपराष्ट्रपति ने कहा कि छात्र जीवन के दौरान वर्ष 1971 में जब उन्होंने सिक्किम के भारत में विलय की खबर पढ़ी थी,तब उन्हें बेहद गर्व महसूस हुआ था। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण था। उन्होंने सिक्किम की पहचान 'हरा, जैविक, साफ और सुथरा राज्य' के रूप में करते हुए कहा कि जैविक खेती केवल कृषि सुधार नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक क्रांति है। उन्होंने कहा कि सिक्किम ने पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के क्षेत्र में पूरे देश के सामने एक आदर्श प्रस्तुत किया है। उपराष्ट्रपति ने यह भी आश्वासन दिया कि अगले वर्ष तक सिक्किम रेल नेटवर्क से जुड़ जाएगा। इससे राज्य के जैविक उत्पादों को देशभर के बाजारों तक पहुंचने में मदद मिलेगी और किसानों की आय में वृद्धि होगी। समारोह में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने नेपाली भाषा में अपना संबोधन देकर लोगों का दिल जीत लिया। उनके नेपाली में दिए गए भाषण को उपस्थित लोगों ने गर्मजोशी से सराहा। स्थानीय संस्कृति और भाषा के प्रति उनके सम्मान ने समारोह में मौजूद लोगों को विशेष रूप से प्रभावित किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया सिक्किम दौरे का भी उल्लेख किया गया। प्रधानमंत्री ने स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान सिक्किम को 'पूरब का स्वर्ग' बताते हुए राज्य की सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण की पहलों की सराहना की थी। कार्यक्रम में 'विकसित भारत 2047' के विजन का उल्लेख करते हुए कहा गया कि सिक्किम के लोग 'टीम सिक्किम' की भावना के साथ एक समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आंधी-तूफान की तबाही और महंगाई की दोहरी मार,सरकार दे राहत : मायावती

लखनऊ,16 मई 2026। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में हाल में आए भीषण आंधी-तूफान से हुई तबाही और पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र और राज्य सरकारों पर निशाना साधा है। उन्होंने प्रभावित परिवारों को हरसंभव मदद देने और महंगाई पर तत्काल नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। बसपा मुखिया मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि अभी हाल ही में उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में जबरदस्त आंधी-तूफान से हुई जान-माल की भारी तबाही से प्रभावित लोगों /परिवारों की मदद के लिए राज्य सरकार को अपनी पूरी उदारता बरतते हुये हर प्रकार से उनके सहयोग के लिये आगे आना चाहिये ताकि वे लोग अपने उजड़े/बिखरे हुये पारिवारिक जीवन को समेट कर दोबारा से अपनी जिन्दगी शुरू कर सकें। उन्होंने आगे कहा कि इसके साथ ही, ख़ासकर

पेट्रोलियम पदार्थों आदि,इन आवश्यक वस्तुओं के मूल्य में अनवरत वृद्धि को जारी रखते हुये केन्द्र सरकार द्वारा पेट्रोल व डीज़ल आदि की क़ीमत में तीन रुपये प्रति लीटर की वृद्धि करोड़ों ग़रीबों व मेहनतकश परिवारों, खेती-किसानी आदि के साथ-साथ मिडिल क्लास के जीवन को भी बुरी तरह से प्रभावित करेगा,अर्थात् इस महंगाई का सीधा असर इन सबके परिवार के पालन-पोषण पर पड़ेगा। मायावती ने कहा कि सरकार को महंगाई व जीवन दुष्कर करने वाली इस प्रकार की नियमित वृद्धि को कम करने के लिए जरूरी सार्थक क़दम उठाने चाहिये,यही समय की मांग है।

कॉकरोच वाली टिप्पणी को गलत तरीके से पेश किया गया : चीफ जस्टिस सूर्यकांत

नई दिल्ली,16 मई 2026। कॉकरोच वाले विवाद पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने अपना बयान जारी किया है। चीफ जस्टिस ने कहा कि मुझे यह पढ़कर दुख हुआ कि मीडिया के एक हिस्से ने एक तुच्छ मामले की सुनवाई के दौरान मेरी मौखिक टिप्पणियों को किस तरह गलत तरीके से पेश किया है। मैंने विशेष रूप से उन लोगों की आलोचना की थी,जिन्होंने फर्जी और नकली डिग्रियों की मदद से वकालत जैसे व्यवसायों में प्रवेश किया है। चीफ जस्टिस ने कहा कि ऐसे ही लोग मीडिया, सोशल मीडिया और अन्य प्रतिष्ठित व्यवसायों में भी घुसपैठ कर चुके हैं, इसलिए वे परजीवी की तरह हैं। चीफ जस्टिस ने अपने बयान में कहा है कि यह कहना पूरी तरह से बेबुनियाद है कि मैंने हमारे देश के युवाओं की आलोचना की मुझे न केवल हमारे वर्तमान और भविष्य के मानव संसाधन पर गर्व है,बल्कि भारत का हर युवा मुझे प्रेरित करता है। चीफ जस्टिस ने कहा है कि यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारतीय युवाओं के मन में मेरे लिए बहुत आदर और सम्मान है और मैं भी उन्हें एक विकसित भारत के स्तंभों के रूप में देखता हूं।

सीबीएसई ने कक्षा 9-10 के लिए लागू की तीन भाषा व्यवस्था

नई दिल्ली,16 मई 2026। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 9-10 के लिए तीन भाषा व्यवस्था लागू कर दी है। इनमें से दो भाषाएं अनिवार्य तौर पर भारतीय होना आवश्यक है। नई व्यवस्था इसी साल एक जुलाई से लागू होगी। सीबीएसई की ओर से 15 मई को जारी एक परिपत्र में यह निर्देश राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और राष्ट्रीय विद्यालय शिक्षा पाठ्यक्रम 2023 के अनुरूप है। यह बदलाव 2026-27 शैक्षणिक सत्र के लिए नवीनतम एनसीईआरटी पाठ्यक्रम की समीक्षा के बाद किया गया है।

तापमान की जानकारी देने के लिए सैटलियो लैब्स ने लॉन्च किया उपग्रह आधारित प्लेटफॉर्म

अहमदाबाद,16 मई 2026। स्वदेशी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी स्टार्टअप सैटलियो लैब्स ने भीषण गर्मी से निपटने में मदद के लिए अहमदाबाद में एक उपग्रह-आधारित प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। यह थर्मल डाटा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करके शहर के हॉटस्पॉट की पहचान करता है और 2 से 3 डिग्री की सटीकता के साथ 3 दिनों का पूर्वानुमान देता है। अब डिलीवरी करने वालों और टैक्सी ड्राइवरों जैसे बाहरी कामगारों को क्यूआर कोड के माध्यम से त्वरित गर्मी संबंधी सलाह मिल जाती है। अहमदाबाद नगर निगम के सहयोग से यह प्लेटफॉर्म क्यूआर कोड स्कैन के माध्यम से नागरिकों को स्थान-विशिष्ट गर्मी संबंधी सलाह प्रदान करता है। यह ऐप बाहरी कामगारों, डिलीवरी कर्मियों और कैब चालकों के बीच विशेष रूप से उपयोगी साबित हुआ है,जो गर्मी के सबसे अधिक संपर्क में आते हैं। प्लेटफॉर्म द्वारा प्राप्त गर्मी से

संबंधित जोखिम की जानकारी सरकारी क्लीनिकों और स्वास्थ्य कर्मियों को गर्मी से होने वाली बीमारियों से बेहतर तरीके से निपटने में मदद करती है। यह प्लेटफॉर्म वर्षों के उपग्रह डाटा को वास्तविक समय के अपडेट के साथ मिलाकर विस्तृत शहरी ताप मानचित्र तैयार करता है और 4 दिन पहले तक संकटग्रस्त क्षेत्रों का पूर्वानुमान लगाता है।

संपादकीय

पाकिस्तान सुधरने वाला नहीं

हाल में ऑपरेशन सिंदूर के एक वर्ष पूरे होने के समय सभी ने इसे स्मरण किया कि भारत ने किस तरह पाकिस्तान को धूल चटाई थी, लेकिन हमें यह भी याद रखना चाहिए कि पाकिस्तान की फितरत अभी बदली नहीं है। इसका प्रमाण है पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर का यह बयान कि यदि पाकिस्तान पर फिर हमला हुआ तो जवाब बेहद व्यापक, खतरनाक,दूरगामी और दर्दनाक होंगे। हम इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि पाकिस्तान समर्थित आतंकी नेटवर्क अब भी सक्रिय हैं।

उसकी कुख्यात खुफिया एजेंसी आईएसआई भारत विरोधी गतिविधियों में पहले की तरह ही लिप्त है और अमेरिकी समर्थन के कारण उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। यह मान लेना उचित नहीं होगा कि पाकिस्तान सुधरने वाला है। पिछले साल दिल्ली में लाल किले के निकट विस्फोट और सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल का सामने आना यही जाहिर करता है कि आतंक का खतरा बना हुआ है। पिछले कुछ समय में एनआईए और विभिन्न राज्यों की पुलिस द्वारा कई संदिग्ध आतंकियों की गिरफ्तारियां हुई हैं। ये हथियारों की व्यवस्था,लॉजिस्टिक्स प्रबंधन और आतंकी योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे।

सबसे अधिक चिंता का विषय आतंकवाद से जुड़े व्यक्तियों की बदलती प्रोफाइल है। कुछ आरोपी शिक्षित पेशेवर थे,जिनमें डाक्टर और तकनीकी रूप से दक्ष लोग भी थे। यह व्हाइट कॉलर टेररिज्म की बढ़ती पैठ को दर्शाता है, जहां सूचना प्रौद्योगिकी,इंजीनियरिंग और वित्तीय क्षमता का उपयोग आतंकी गतिविधियों में किया जा रहा है। ऐसे तत्वों की पहचान करना अधिक कठिन होता है, क्योंकि वे वैध संस्थागत ढांचों के भीतर रहकर बहुल लो प्रोफाइल होकर काम करते हैं। भारत में इस्लामिक स्टेट से जुड़े मॉड्यूल भी सक्रिय दिख रहे हैं। ऐसे स्लीपर सेल सामने आए हैं जो भर्ती,निगरानी और विस्फोटक प्रशिक्षण जैसी गतिविधियों में शामिल थे। विभिन्न राज्यों में हुई गिरफ्तारियां यह भी दर्शाती हैं कि ये अलग-थलग समूह नहीं,बल्कि व्यापक और परस्पर जुड़े नेटवर्क का हिस्सा हैं।

आज आतंकवाद तेजी से अपना स्वरूप बदल रहा है। यह अब केवल बंदूक और बम तक सीमित नहीं रहा,बल्कि अधिक विकेंद्रीकृत,तकनीक-आधारित और पकड़ से बचने वाला स्वरूप ले चुका है। अवैध हथियार तस्करी भी गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है। एके-47 जैसे हथियारों की बरामदगी ने सीमा पार से जुड़े संगठित सप्लाई नेटवर्क को उजागर किया है, जो बाहरी समर्थन और घरेलू नेटवर्कों के गठजोड़ को रेखांकित करता है। स्पष्ट है कि भर्ती, फंडिंग, लॉजिस्टिक्स और क्रियान्वयन का एक सुव्यवस्थित तंत्र सक्रिय है। यह बढ़ती हुई परिष्कृत रणनीति आतंकी ढांचे की बारीकियों में भी जाहिर हो रही है।

मार्च में दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन पर आईएसआई से जुड़े एक जासूसी षड्यंत्र का खुलासा हुआ था,जिसमें गुप्त रूप से लगाए गए सोलर पावर्ड सीसीटीवी कैमरों का उपयोग सैन्य गतिविधियों की रियल-टाइम फुटेज पाकिस्तानी हैंडलरों तक भेजी जा रही थी। यह दर्शाता है कि निगरानी गतिविधियां अब अधिक गुप्त और तकनीक आधारित होती जा रही हैं। ऐसे उपकरण सैन्य गतिविधियों का मानचित्रण,कमजोरियों की पहचान और भविष्य के हमलों में सहायता कर सकते हैं। चूंकि छोटी घटनाएं भी किसी बड़े षड्यंत्र का हिस्सा हो सकती हैं, इसलिए निरंतर सतर्कता अत्यंत आवश्यक है।

एक अन्य गंभीर चिंता वैध व्यावसायिक प्लेटफॉर्मों के दुरुपयोग की है, जिसे कभी-कभी कारपोरेट जिहाद के रूप में भी देखा जाता है।

उच्च रक्तचाप की बढ़ती समस्या के लिए लापरवाही पड़ रही भारी

डॉ. प्रितम भि.गेडाम

सत्य समझिए,भ्रामकता में अनमोल सांसे ना गवाएं। जी हां,फिलहाल हम सभी लोग जीवन के लिए सबसे आवश्यक घटकों को बर्बाद करने को अपनी झूठी महानता समझ रहे है,लेकिन आज हमसे बड़ा बेवकूफ अन्य कोई नहीं। प्राणी,पशु-पक्षी भी इस मामले में हमसे ज्यादा अक्लमंद हैं। हम बात कर रहे है यहाँ स्वास्थ्य की,जिसको बिगाड़ने का काम प्रदूषण,हमारी चटोरी जबान, लापरवाही और मिलावटखोरी कर रही हैं। हम अक्सर अपने आसपास रोजाना नए-नए मोर्चे,आंदोलन,रैली,झगड़े,वाद विवाद की खबरें देखते-सुनते है, लेकिन जीने के लिए सबसे आवश्यक शुद्ध ऑक्सीजन,स्वच्छ जल और पर्याप्त पोषक आहार हर एक नागरिक को प्राप्त हों, जो हर एक का अधिकार है,जिसका संविधान के मूल अधिकारों में भी उल्लेख है,क्या उसके लिए ऐसे जागरूकता मोहिम हमारे आसपास अक्सर देखने मिलती हैं।

दूषित हवा को हम शरीर में प्राणवायु के रूप में ले रहे है और खुद ही मौत को बुला रहे हैं। धीमे जहर के रूप में विषाक्त भोजन चटकारे लेकर खा रहे हैं। हर वस्तु की बनावट वस्तु आज मार्केट में उपलब्ध है,यह तक कि खाद्यपदार्थों से लेकर,कपडे,यांत्रिक संसाधन,सभी प्रकार के उत्पाद तक डुप्लीकेट मिलते हैं। स्वार्थ ने हमें इतना अँधा बना दिया है कि अपने फायदे के लिए लोगों की सेहत से खिलवाड़ करना आम बात बन गयी हैं। जो सेहत खराब करे,ऐसी लाइफस्टाइल किस काम की? जिंदगी ज्यादा जरुरी है या स्वार्थ? दुनियाभर की दौलत खर्च करके भी एक सेकंड की जिंदगी नहीं खरीद सकते, फिर सेहत के प्रति लोगों में गंभीरता क्यों नजर नहीं आती? कोई हमारे सेहत से खिलवाड़ कर रहा है तो हम उसे रोकते क्यों नहीं? तेजी से रफ्तार पकड़ने वाला क्षेत्र वैद्यकीय है,क्योंकि हमारे देश में बीमारियों की वृद्धि साल-दर-साल अत्यधिक हो रही है और जिस प्रकार के प्रदूषित एवं तनावपूर्ण वातावरण में हम आज जी रहे है भविष्य में यह बीमारियां अधिक भयावह रूप धारण करेंगी। अन्य जगह की तरह,हॉस्पिटल में कोई मोलभाव नहीं होता, चिकित्सक द्वारा जो परीक्षण या दवाएं बताई है,वो आवश्यक हो जाती हैं। बीमारियों को बढ़ाने में अधिकतर हम खुद जिम्मेदार है,आज सबसे ज्यादा मौतें हृदय की समस्याओं के कारण हो रही है क्योंकि स्वस्थ हृदय का ख्याल हम ठीक ढंग से नहीं रख पा रहे हैं। हृदय रोगों के लिए उच्च रक्तचाप की समस्या अहम है और उच्च रक्तचाप की समस्या निर्माण में हमारी खराब आदतें जिम्मेदार हैं।

हाइपरटेंशन दुनिया भर में सबसे आम स्वास्थ्य समस्या है, लाखों लोगों को प्रभावित करने के बावजूद,इस स्वास्थ्य समस्या पर अक्सर ध्यान नहीं जाता;यह अक्सर बिना किसी साफ़ लक्षण के बढ़ती रहती है,इसी कारण से, डॉक्टर और स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे साइलेंट किलर कहते हैं। अगर समय रहते इसका योग्य निदान न किया जाए, तो हाई ब्लड प्रेशर शरीर के महत्वपूर्ण अवयवों को चुपचाप नुकसान पहुंचा

सकता है और दिल की बीमारी,स्ट्रोक, किडनी फेलियर और दूसरी जानलेवा बीमारियों का खतरा काफी बढ़ा सकता हैं। ज़्यादातर मामलों में, लोग बिना किसी चेतावनी के संकेतों पर ध्यान दिए अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी जीते रहते हैं। हालाँकि,जब रक्तचाप बहुत ज़्यादा बढ़ जाता है,तो तेज़ सिरदर्द, चक्कर आना, सीने में दर्द, धुंधला दिखना,साँस लेने में दिक्कत या दिल की धड़कन का अनियमित होना जैसे लक्षण हो सकते हैं। बदकिस्मती से, बहुत से लोगों को अपनी गंभीर हालत के बारे में तब पता चलता है जब कोई गंभीर चिकित्सा आपातकाल, जैसे स्ट्रोक या ह्यदयाघात होता हैं।

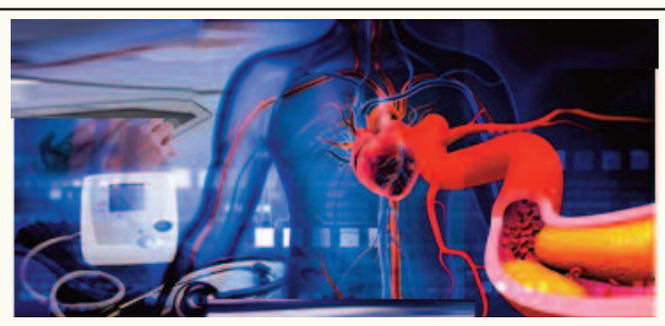

रक्तचाप वह है जो हृदय के खून पंप करते समय खून की नसों की दीवारों पर पड़ता है। इसे दो संख्याओं से मापा जाता है। पहला, जिसे सिस्टोलिक प्रेशर कहते हैं, दिल के सिकुड़ने पर पड़ने वाले प्रेशर को दिखाता है; दूसरा नंबर, जिसे डायस्टोलिक प्रेशर कहते हैं, धड़कनों के बीच दिल के आराम करने पर पड़ने वाले प्रेशर को मापता है। सामान्य रक्तचाप आमतौर पर सिस्टोलिक/डायस्टोलिक 120/80 से कम होता है। जब किसी व्यक्ति का ब्लड प्रेशर लगातार 140/90 या उससे ज़्यादा हो जाता है, तो उस व्यक्ति को उच्च रक्तचाप या हाइपरटेंशन माना जाता है। उच्च रक्तचाप को आम तौर पर दो वर्गों में बांटा जाता है, प्राथमिक एवं द्वितीय। प्राथमिक हाइपरटेंशन सबसे आम प्रकार है,यह बढ़ती उम्र,खराब डाइट,मोटापा, तनाव, धूम्रपान और शारी रिक गतिविधियों की कमी जैसे कारणों से समय के साथ धीरे-धीरे बढ़ता हैं। दूसरी ओर,द्वितीय हाइपरटेंशन शरीर में दूसरी अंदरूनी चिकित्सा हालत,जैसे किडनी की बीमारी या हार्मोनल डिसऑर्डर की वजह से होता हैं। कुछ दवाएं लेने से भी हाई ब्लड प्रेशर का स्तर बढ़ सकता हैं। अनुवांशिक एवं पारिवारिक हिस्ट्री से भी उच्च रक्तचाप होने का खतरा बढ़ जाता हैं।

आज दुनिया भर में हाइपरटेंशन के मरीज़ों की बढ़ती संख्या में आधुनिक जीवनशैली की बड़ी भूमिका हैं। व्यस्त लाइफस्टाइल,ज़्यादा नमक वाला प्रोसेस्ड खाना,पैक्ड फूड,वसायुक्त खाद्य पदार्थ, शक्कर तेल मसाले से तरबतर भारी खाना,देर रात तक जागना, पूरी नींद न लेना,आलस,तंबाकू का इस्तेमाल और बहुत ज़्यादा शराब पीना,ये सभी वजहें उच्च रक्तचाप की वजह बनती हैं। इसके अलावा हमारे देश में प्रदूषण सबसे बड़ी समस्या है, लेकिन 100 में से केवल 3 -4 लोग ही जागरूकता दिखाते है, बाकियो को तो कुछ फर्क ही नहीं पड़ता ऐसा महसूस होता हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि, दुनिया भर में 1.4 बिलियन से ज़्यादा वयस्क अभी हाइपरटेंशन से परेशान हैं, परंतु दुःख की बात है कि इनमें से कई मामलों का पता नहीं चल पाता या उन्हें ठीक से मैनेज नहीं किया जाता। अनियंत्रित हाई ब्लड प्रेशर के लंबे समय तक चलने वाले असर गंभीर हो सकते हैं। हार्ट फेलियर, सीने में दर्द या हार्ट अटैक हो सकता है,स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता हैं। किडनी खास तौर पर कमज़ोर होती है,क्योंकि हाई ब्लड प्रेशर शरीर से अवशेष को असरदार तरीके से फिल्टर करने की उनकी क्षमता को कम करता है, नज़र कमज़ोर होकर सोचने-समझने की क्षमता में कमी भी होती हैं।

उच्च रक्तचाप एक ऐसी बीमारी है जिसे रोका एवं नियंत्रित किया जा सकता है,इसके लिए सबसे पहले अपने दिनचर्या में बदलाव सबसे असरदार कदम हैं। एक हेल्दी डाइट जिसमें फल, सब्जियां,साबुत अनाज और कम वसा वाले दुग्ध उत्पाद शामिल हों,जो हृदय की सेहत को काफी बेहतर बना सकती हैं। नमक कम खाना,सामान्य वज़न बनाए रखना,नियमित व्यायाम करना और सभी प्रकार के नशे से दूरी बनाना हाई ब्लड प्रेशर होने के खतरे को कम कर सकता है। तनावमुक्त आराम,पूरी नींद और हंसीखुशी भरे वातावरण से तनाव को नियंत्रित करने से ब्लड प्रेशर लेवल बेहतर बना रहता हैं। समस्या गंभीर होने पर, सिर्फ़ जीवनशैली में बदलाव पर्याप्त नहीं होते,चिकित्सक ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद के लिए आवश्यक दवाएँ भी देते हैं। नियमित रक्तचाप की जाँच ज़रूरी है, क्योंकि जल्दी पता चलने से जान बच सकती हैं। ब्लड प्रेशर को समझना और नियंत्रित करना एक हेल्दी भविष्य की ओर सबसे ज़रूरी कदम हैं। स्वस्थ रहने के लिए हरियाली भरा शुद्ध वातावरण बहुत जरूरी हैं। हमेशा जागरूकता, हेल्दी आदतें अपनाकर और समय पर इलाज करवाकर, हाइपरटेंशन जैसे अन्य भी अनेक बीमारियों को बखूबी नियंत्रित कर अपनी स्वास्थ्य की रक्षा कर सकते हैं।

हमारे शहरों के असली हीरो : सफाई कर्मचारी

डॉ. सत्यवान सौरभ
भिवानी,हरियाणा

किसी भी शहर की पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चौड़ी सड़कों या चमकती रोशनियों से नहीं,बल्कि उसकी स्वच्छता और व्यवस्था से होती है। जब कोई व्यक्ति किसी शहर में प्रवेश करता है, तो सबसे पहले उसकी नज़र वहाँ की साफ़-सफाई, वातावरण और नागरिक अनुशासन पर जाती है। स्वच्छ शहर केवल सुंदर नहीं दिखते, बल्कि वे बेहतर स्वास्थ्य, सुरक्षित जीवन और सभ्य समाज का प्रतीक भी होते हैं। लेकिन इस स्वच्छता के पीछे जिन लोगों का सबसे बड़ा योगदान होता है, वे अक्सर समाज की चर्चा और सम्मान से दूर रह जाते हैं। ये लोग हैं हमारे सफाई कर्मचारी – वे अनदेखे,अनसुने और उपेक्षित नायक, जिनके श्रम पर पूरे शहर की व्यवस्था टिकी होती है।

हाल ही में विभिन्न नगरों में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल ने लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि यदि ये कर्मचारी अपना काम बंद कर दें, तो शहरों का जीवन कितनी जल्दी अस्त-व्यस्त हो सकता है। कुछ ही दिनों में सड़कों पर कचरे के ढेर लग गए,नालियाँ जाम हो गईं,बदबू फैलने लगी और बीमारियों का खतरा बढ़ गया। लोगों को पहली बार महसूस हुआ कि जिन सफाई कर्मचारियों को वे सामान्य कर्मचारी समझते हैं, वास्तव में वही शहर की धड़कन हैं।

विडंबना यह है कि हम आधुनिकता और विकास के बड़े-बड़े दावे तो करते हैं, लेकिन नागरिक जिम्मेदारियों के मामले में अभी भी बहुत पीछे हैं। हमारे शहरों में बड़ी संख्या में लोग सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकना,प्लास्टिक सड़क पर छोड़ देना और गंदगी फैलाना सामान्य बात समझते हैं। घर के भीतर सफाई रखने वाले लोग भी घर का कचरा बाहर सड़क पर डालकर अपनी जिम्मेदारी समाप्त मान लेते हैं। यही कारण है कि सफाई कर्मचारियों की अनु पस्थिति में शहर कुछ ही दिनों में कूड़े के ढेर में बदलने लगते हैं।

यह स्थिति केवल प्रशासनिक कमजोरी नहीं,बल्कि हमारी कमजोर सिविक सेंस का प्रमाण भी है। विकसित देशों में नागरिक स्वयं स्वच्छता के प्रति जागरूक रहते हैं। वहाँ लोग सड़क पर कचरा फेंकना सामाजिक अपराध मानते हैं। लेकिन हमारे यहाँ स्वच्छता को अब भी केवल सफाई कर्मचारियों और नगर निगम की जिम्मेदारी समझा जाता है। जब तक समाज स्वयं स्वच्छता को अपनी संस्कृति और आदत का हिस्सा नहीं बनाएगा, तब तक किसी भी सरकारी अभियान की सफलता अधूरी रहेगी।

सफाई कर्मचारियों का जीवन संघर्षों से भरा होता है। वे सुबह-सुबह तब काम शुरू कर देते हैं जब अधिकांश लोग नींद में होते हैं। तेज गर्मी,कड़ाके

की सर्दी, बरसात या महामारी– हर परिस्थिति में वे सड़कों, गलियों और नालियों की सफाई करते हैं। कई बार उन्हें बिना पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों के बेहद अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में काम करना पड़ता है। सीवर की सफाई करते समय जहरीली गैसों के कारण हर वर्ष कई कर्मचारियों की मृत्यु हो जाती है। इसके बावजूद समाज उन्हें वह सम्मान नहीं देता जिसके वे वास्तव में अधिकारी हैं।

कोविड-19 महामारी के दौरान जब पूरा देश घरों में बंद था,तब डॉक्टरों,पुलिसकर्मियों और सफाई कर्मचारियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर समाज को सुरक्षित रखने का कार्य किया। उस समय लोगों ने ताली और थाली बजाकर उनका सम्मान तो किया,लेकिन समय बीतने के साथ हम फिर उन्हें भूल गए। आज भी अनेक सफाई कर्मचारी अस्थायी नौकरी, कम वेतन और असुरक्षित कार्य परिस्थितियों में काम करने को मजबूर हैं।

समाज का एक बड़ा वर्ग अब भी सफाई कार्य को हीन दृष्टि से देखता है। यह मानसिकता केवल गलत ही नहीं,बल्कि अमानवीय भी है। कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता। यदि सफाई कर्मचारी एक दिन काम बंद कर दें,तो पूरे शहर की व्यवस्था ठप पड़ सकती है। इसलिए उनका कार्य केवल नौकरी नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन की रक्षा का कार्य है।

इस पूरी स्थिति का सबसे पीड़ादायक दृश्य तब दिखाई देता है जब सड़कों पर फैले कचरे में गायों को भोजन खोजते देखा जाता है। भारतीय समाज में गाय को माता का दर्जा दिया जाता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि वही गायें प्लास्टिक, सड़ा भोजन और जहरीला कचरा खाने को मजबूर हैं। यह दृश्य हमारी सामाजिक संवेदनहीनता को उजागर करता है। श्रद्धा केवल शब्दों और नारों से नहीं,बल्कि व्यवहार से सिद्ध होती है। यदि हम सचमुच गाय को पूजनीय मानते हैं,तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि वह कचरे में भोजन तलाशने के लिए मजबूर न हो।

आज शहरों में बढ़ती प्लास्टिक समस्या ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। लोग बिना सोचे-समझे प्लास्टिक का उपयोग करते हैं और उसे खुले में फेंक देते हैं। यही प्लास्टिक नालियों को जाम करती है, पर्यावरण को प्रदूषित करती है और जानवरों के लिए जानलेवा बन जाती है। सफाई कर्मचारी प्रतिदिन इस गंदगी से जूझते हैं, लेकिन समस्या की जड़ नागरिकों की लापरवाही में छिपी हुई है।

सरकारें समय-समय पर स्वच्छता अभियान चलाती हैं। स्वच्छ भारत अभियान ने लोगों में जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया, लेकिन केवल अभियान चलाने से स्थायी परिवर्तन नहीं आता। जब तक नागरिक स्वयं जिम्मेदारी नहीं निभाएँगे, तब तक स्वच्छता केवल सरकारी पोस्टरों और नारों तक सीमित रहेगी।

हमें यह समझना होगा कि सफाई केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं है। हर नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखे। कचरा अलग-अलग श्रेणियों में बाँटना, प्लास्टिक का कम उपयोग करना, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाना और दूसरों को भी जागरूक करना – ये छोटी-छोटी आदतें बड़े परिवर्तन ला सकती हैं।

साथ ही सफाई कर्मचारियों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा भी उतनी ही आवश्यक है। उन्हें उचित वेतन,स्थायी रोजगार, स्वास्थ्य सुविधाएँ और सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। सीवर सफाई जैसी खतरनाक प्रक्रियाओं में मशीनों का अधिक उपयोग होना चाहिए ताकि मानव जीवन जोखिम में न पड़े। शिक्षा व्यवस्था में भी स्वच्छता और नागरिक जिम्मेदारी को व्यवहारिक रूप में शामिल करने की आवश्यकता है। बच्चों को केवल किताबों में स्वच्छता का पाठ पढ़ाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उन्हें व्यवहार में इसे अपनाने की प्रेरणा देनी होगी। जब नई पीढ़ी स्वच्छता को आदत बनाएगी,तभी समाज में वास्तविक परिवर्तन संभव होगा।

मीडिया और समाज को भी सफाई कर्मचारियों की समस्याओं और योगदान को प्रमुखता से सामने लाना चाहिए। आमतौर पर लोग उन्हें तभी याद करते हैं जब हड़ताल होती है या शहर में गंदगी फैलती है। लेकिन उनके दैनिक संघर्षों, मेहनत और योगदान पर बहुत कम चर्चा होती है। यदि समाज उन्हें सम्मान देगा, तो यह न केवल उनके आत्म विश्वास को बढ़ाएगा बल्कि स्वच्छता के प्रति सामूहिक चेतना को भी मजबूत करेगा।

हमें यह भी समझना होगा कि स्वच्छता केवल सौंदर्य का विषय नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और सभ्यता का प्रश्न है। गंदगी से मच्छर, मक्खियाँ और अनेक बीमारियाँ फैलती हैं। अस्वच्छ वातावरण बच्चों, बुजुर्गों और गरीब वर्ग के लिए सबसे अधिक खतरनाक होता है। इसलिए सफाई कर्मचारियों का कार्य सीधे-सीधे समाज के स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ है।

आज आवश्यकता केवल सफाई कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त कराने की नहीं, बल्कि अपनी सोच बदलने की है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि शहरों को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी केवल कुछ कर्मचारियों पर नहीं डाली जा सकती। जब तक नागरिक स्वयं जिम्मेदार नहीं बनेंगे,तब तक गंदगी और अव्यवस्था की समस्या बनी रहेगी।

सफाई कर्मचारी वास्तव में हमारे शहरों के असली हीरो हैं।

कभी-कभी संकट ही सबसे बड़ा शिक्षक होता है...

प्रो. आरके जैन अरिजीत
बड़वानी,मध्यप्रदेश

हर्मुज जलडमरूमध्य में भड़कती भू-राजनीतिक आग जब पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को हिला रही है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही हैं,तब भारत के आम घरों के भीतर एक गहरा सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन जन्म ले रहा है। पेट्रोल और डीजल के दाम 100 के पार पहुंचकर अब केवल आर्थिक बोझ नहीं रह गए,बल्कि यह जीवनशैली और सोच पर सीधा प्रश्नचिह्न बन चुके हैं। इसी बदलते दौर में एक सशक्त विचार उभरता है–कारपूलिंग से आगे अब फैमिली पूलिंग का युग शुरू हो चुका है। यह केवल ईंधन बचत का साधन नहीं,बल्कि रिश्तों की मजबूती, साझा जिम्मेदारी और राष्ट्रभावना का नया संगठित स्वरूप बनकर सामने आ रहा है। राष्ट्रीय ऊर्जा खपत की दिशा बदलने वाली इस सोच के पीछे एक सशक्त नेतृत्वकारी दृष्टि काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद की जनसभा में सात सूत्री संदेश के जरिए ईंधन के संयमित उपयोग, सार्वजनिक परिवहन,मेट्रो,इलेक्ट्रिक वाहनों,वर्क फ्रॉम होम और कारपूलिंग को अपनाने का स्पष्ट आह्वान किया। उन्होंने अपने काफिले को छोटा कर व्यक्तिगत उदाहरण प्रस्तुत किया, जिससे यह संदेश और अधिक प्रभावी बन गया। अमित शाह, योगी आदित्य नाथ और मोहन यादव जैसे नेताओं ने भी इस पहल को आगे बढ़ाया,लेकिन वास्तविक बदलाव तब दिखाई दिया जब आम परिवारों ने इसे फैमिली पूलिंग के रूप में अपने जीवन में अपनाया।

घरों की यात्रा व्यवस्था में आया यह परिवर्तन अब बड़े आर्थिक प्रभावों की दिशा दिखा रहा है। पेट्रोल के दाम ` 98 से ` 106 प्रति लीटर तक पहुंचने से मध्यम वर्गीय परिवारों के बजट पर दबाव बढ़ा,और इसी से फैमिली पूलिंग की सोच मजबूत हुई। अब घर के सदस्य अलग-अलग वाहनों की जगह एक ही वाहन में ऑफिस,स्कूल, ट्यूशन और बाजार की यात्राएं कर रहे हैं। इससे ईंधन की खपत घट रही है और विदेशी मुद्रा की बचत भी बढ़ रही है। अनुमान है कि केवल 10 प्रतिशत ईंधन बचत भी देश के लिए हजारों करोड़ रुपये का अतिरिक्त लाभ उत्पन्न कर सकती है, जिसे शिक्षा,स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के विकास में उपयोग किया जा सकता है।

यात्रा के स्वरूप में आया यह बदलाव अब केवल सुविधा नहीं, बल्कि गहरे भावनात्मक जुड़ाव का माध्यम बन गया है। सुबह की यात्रा अब दूरी तय करने का साधन नहीं रही,बल्कि एक जीवंत पारिवारिक संवाद-स्थल बन गई है। बच्चों की स्कूल की बातें,माता-पिता के ऑफिस अनुभव और बुजुर्गों की जीवन-सीख एक साथ सहजता से साझा होने लगी हैं। पहले जहां अकेले ड्राइविंग का तनाव और थकान होती थी,अब उसकी जगह बातचीत, मुस्कान और आत्मीय अपनापन ने ले ली है। 'हम साथ हैं' अब केवल विचार नहीं, बल्कि रोजमर्रा की सच्चाई बन चुका है, जिसने पारिवारिक रिश्तों को और अधिक गहराई दी है।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह बदलाव अब सकारात्मक परिणाम के रूप में सामने आ रहा है। सड़कों पर वाहनों की संख्या घटने से कार्बन उत्सर्जन कम हुआ है, ट्रैफिक जाम में सुधार हुआ है और वायु गुणवत्ता में भी स्पष्ट सुधार देखने को मिल रहा है। दिल्ली-एनसीआर जैसे प्रदूषित क्षेत्रों में यह एक प्रभावी समाधान के रूप में उभरा है। कम वाहन,कम प्रदूषण और अधिक स्वच्छ हवा का यह संतुलन भारत को सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ा रहा है,जहां व्यक्तिगत सुविधा और सामूहिक जिम्मेदारी साथ-साथ चल रही हैं। व्यावहारिक स्तर पर यह मॉडल कुछ चुनौतियां भी सामने लाता है,जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। परिवार के सदस्यों की अलग-अलग समय-सारणी को एक साथ संतुलित करना आसान नहीं होता। सुबह की जल्दबाजी,स्कूल-ऑफिस समय का तालमेल और छोटे मतभेद शुरुआती बाधाएं बनते हैं। लेकिन धीरे-धीरे इनका समाधान तकनीक और आपसी सहयोग से निकल रहा है। परिवार अब व्हाट्सऐप ग्रूप, शेड्यूलिंग ऐप्स और समन्वय से समय को व्यवस्थित कर रहे हैं। कई महिलाओं ने इसे स्वतंत्रता में बाधा नहीं, बल्कि सामूहिक सशक्तिकरण के अवसर के रूप में अपनाया है, जिससे पारिवारिक सहयोग मजबूत हुआ है।

नेशन फर्स्ट पर आगे बढ़ता नेपाल

संजय सक्सेना
लखनऊ, उत्तरप्रदेश

नेपाल की राजनीति इस समय बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। इस बदलाव से उसके चीन और भारत जैसे पड़ोसी नाराज होते हैं तो इसकी चिंता नेपाल को शायद नहीं है। नेपाल पूरी तरह से नेशन फर्स्ट पर चल रहा है। काठमांडू की सत्ता अब पहले की तरह भारत पर आर्थिक और राजनीतिक रूप से निर्भर रहने के पक्ष में नहीं दिखती। प्रधानमंत्री बालेन शाह की सरकार लगातार ऐसे फैसले ले रही है जिनसे यह साफ संकेत जाता है कि नेपाल अब 'नेपाल प्रथम' की नीति पर आगे बढ़ना चाहता है। यही वजह है कि व्यापार,सीमा, कस्टम ड्यूटी और चीन के साथ रिश्तों जैसे मुद्दे अब नेपाल की घरेलू राजनीति और राष्ट्रवाद का हिस्सा बन चुके हैं। भारत के लिए चिंता केवल नेपाल के कुछ फैसले नहीं हैं,बल्कि वहां तेजी से बदलती राजनीतिक सोच है। नेपाल और भारत के बीच करीब 1850 किलोमीटर लंबी खुली सीमा है। दोनों देशों के नागरिक बिना वीजा और पासपोर्ट के आवाजाही करते हैं। अनुमान है कि हर दिन 50 हजार से ज्यादा लोग रोजगार,व्यापार,शिक्षा और पारिवारिक कारणों से सीमा पार करते हैं। नेपाल के कुल विदेशी व्यापार का लगभग 64 प्रतिशत हिस्सा भारत के साथ होता है। 2025-26 में दोनों देशों के बीच व्यापार करीब 13 अरब डॉलर तक पहुंच गया। लेकिन इसमें सबसे बड़ा असंतुलन यह है कि नेपाल ने भारत से करीब 11 अरब डॉलर का सामान आयात किया, जबकि उसका निर्यात केवल 2 अरब डॉलर के आसपास रहा। यही लगभग 9 अरब डॉलर का व्यापार घाटा अब नेपाल की नई राष्ट्रवादी राजनीति का सबसे बड़ा मुद्दा बन चुका है। नेपाल के उद्योग परिसंघ और आर्थिक विशेषज्ञों का एक वर्ग लगातार यह दावा करता रहा है कि भारतीय बाजार से आने वाले सस्ते उत्पादों ने नेपाली उद्योगों को कमजोर कर दिया। कपड़ा उद्योग,कृषि आधारित कारोबार और छोटे विनिर्माण क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। इसी सोच के तहत बालेन शाह सरकार ने भारत से नेपाल लाए जाने वाले 100 नेपाली रुपये से अधिक कीमत के सामान पर कस्टम ड्यूटी लगाने का फैसला किया। सरकार का कहना था कि इससे घरेलू उद्योगों को संरक्षण मिलेगा और स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। लेकिन इस फैसले का असर सीधे सीमा क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाला था। वीरगंज,विराटनगर, नेपालगंज और भैरहवा जैसे शहरों में हजारों छोटे व्यापारी भारतीय बाजारों से राशन,कपड़े,दवाइयां और घरेलू सामान खरीदकर नेपाल ले जाते हैं। व्यापारियों का अनुमान था कि नई ड्यूटी व्यवस्था लागू होने के बाद रोजमर्रा के सामानों की कीमतों में 15 से 20 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो सकती थी। नेपाल पहले ही महंगाई और बेरोजगारी के दबाव से जूझ रहा है। विश्व बैंक के अनुसार नेपाल में युवा बेरोजगारी दर 20 प्रतिशत से ऊपर है।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

नवापारा का चर्चित बंसल इलेक्ट्रिकल्स का कारोबारी जांच के घेरे में...

'कच्चे बिल,अलग-अलग खातों में भुगतान और जीएसटी से बचने के खेल' की बाजार में चर्चा

ग्राहकों और व्यापारियों ने उठाए सवाल,निष्पक्ष जांच की मांग तेज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 मई 2026
(घटती-घटना)।

नवापारा क्षेत्र का एक बड़ा इलेक्ट्रिकल्स व्यवसाय इन दिनों गंभीर आरोपों के चलते चर्चा में है। स्थानीय लोगों,व्यापारियों और ग्राहकों के बीच यह मामला तेजी से सुर्खियां बटोर रहा है। क्षेत्र के चर्चित प्रतिष्ठान 'बंसल इलेक्ट्रिकल्स' पर आरोप है कि यहां प्रतिदिन लाखों रुपये का कारोबार होने के बावजूद बड़ी मात्रा में बिक्री कच्चे बिलों के माध्यम से की जा रही है। बताया जा रहा है कि दुकान में इलेक्ट्रॉनिक एवं इलेक्ट्रिकल सामान की भारी बिक्री होती है,लेकिन अधिकांश ग्राहकों को नियमित जीएसटी बिल देने के बजाय साधारण पर्ची या बिना नाम-पते वाला बिल थमा दिया जाता है। इससे शासन को बड़े पैमाने पर कर राजस्व की क्षति होने की आशंका जताई जा रही है।

जीएसटी बिल चाहिए अलग पैसा लगेगा...

कई ग्राहकों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि जब वे जीएसटी बिल की मांग करते हैं तो दुकान पक्ष द्वारा अलग से राशि भुगतान करने की बात कही जाती है। आरोप है कि सामान्य खरीद पर ग्राहक को सिर्फ कच्चा बिल दिया जाता है,जबकि पक्का टैक्स इनवॉइस मांगने पर अतिरिक्त प्रतिशत जोड़ने की चर्चा होती है। यदि यह आरोप सही पाए जाते हैं तो यह जीएसटी नियमों के उल्लंघन की श्रेणी में आ सकता है। व्यापारिक विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी पंजीकृत व्यापारी के लिए निर्धारित नियमों के अनुसार टैक्स इनवॉइस देना आवश्यक होता है।

बिना नाम-पते के बिल,उपभोक्ताओं की बढ़ी परेशानी...

ग्राहकों का यह भी कहना है कि कई बार दिए जाने वाले बिलों में ग्राहक का नाम,मोबाइल नंबर या पूरा टैक्स विवरण तक दर्ज नहीं रहता। इससे वारंटी, रिप्लेसमेंट और सर्विस संबंधी मामलों में उपभोक्ताओं को परेशानी झेलनी पड़ती है। एक ग्राहक ने बताया कि महंगे इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने के बाद जब खराबी आई तो उचित बिल नहीं होने के कारण कंपनी सर्विस सेंटर में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ऐसे मामलों ने उपभोक्ता अधिकारों को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

परिवार और कर्मचारियों के खातों में भुगतान लेने का आरोप...

मामले का सबसे गंभीर पक्ष यह बताया जा रहा है कि दुकान में भुगतान केवल मुख्य व्यावसायिक खाते में ही नहीं बल्कि परिवार के सदस्यों एवं कर्मचारियों के व्यक्तिगत खातों में भी लिया जाता है। सूत्रों के अनुसार ऑनलाइन ट्रांसफर, यूपीआई और बैंक भुगतान को अलग-अलग खातों में विभाजित कर लेन-देन किया जाता है। बाजार में चर्चा है कि ऐसा टैक्स देनदारी कम दिखाने और वास्तविक कारोबार छिपाने के उद्देश्य से किया जा सकता है। हालांकि इन आरोपों की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है,लेकिन स्थानीय स्तर पर यह चर्चा लंबे समय से चल रही बताई जा रही है।

'प्रतिदिन लाखों का कारोबार' की चर्चा : व्यापारिक क्षेत्र के लोगों का कहना है कि उक्त प्रतिष्ठान में रोजाना बड़ी मात्रा में इलेक्ट्रिकल सामान,वायर,मोटर,घरेलू उपकरण, फैन,पंप और अन्य सामग्री की बिक्री होती है। त्योहारी सीजन और निर्माण कार्यों के दौरान कारोबार और अधिक बढ़ जाता है। ऐसे में यदि वास्तविक बिक्री का पूरा हिसाब कर विभाग के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया जा रहा हो तो यह करोड़ों रुपये के टैक्स अंतर का मामला बन सकता है।

विभागीय मिलीभगत की चर्चाएं

क्षेत्र में यह चर्चा भी जोरों पर है कि संबंधित विभागों से कथित साठगांठ के कारण अब तक किसी प्रकार की बड़ी कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि छोटे दुकानदारों पर त्वरित कार्रवाई होती है,जबकि बड़े कारोबारियों के मामलों में विभागीय सक्रियता नजर नहीं आती। लोगों का कहना है कि यदि जीएसटी विभाग,आयकर विभाग और वाणिज्यिक कर विभाग संयुक्त रूप से दस्तावेजों,बैंक खातों और बिक्री रजिस्टर की जांच करे तो कई बड़े खुलासे सामने आ सकते हैं।

व्यापारियों में असंतोष

ईमानदारी से टैक्स जमा करने वाले व्यापारियों का कहना है कि यदि कुछ कारोबारी नियमों से बचकर व्यापार करेंगे तो इससे बाजार में असमान प्रतिस्पर्धा पैदा होगी। वैध टैक्स चुकाने वाले दुकानदारों को नुकसान उठाना पड़ता है जबकि नियमों से बचने वाले व्यापारी कम कीमत पर सामान बेचकर बाजार प्रभावित करते हैं। कुछ व्यापारियों ने यह भी कहा कि ऐसे मामलों पर कार्रवाई नहीं होने से सरकार की राजस्व व्यवस्था प्रभावित होती है और गलत संदेश जाता है।

जांच की मांग तेज...

स्थानीय नागरिकों एवं व्यापारिक वर्ग ने शासन-प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि दुकान की बिक्री,जीएसटी रिटर्न,बैंक खातों, यूपीआई लेन-देन और बिलिंग व्यवस्था की गहन जांच की जाए। यदि जांच में अनियमितता सामने आती है तो संबंधित धाराओं के तहत कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि बाजार में पारदर्शिता बनी रहे और शासन को होने वाले राजस्व नुकसान पर रोक लग सके।

इनका कहना है...

इस संबंध में संबंधित प्रतिष्ठान का पक्ष प्राप्त नहीं हो सका। यदि भविष्य में उनका पक्ष प्राप्त होता है तो उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

प्रेम प्रसंग के चलते नवविवाहिता ने खाया जहर,इलाज के दौरान मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 मई 2026
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के राजपुर क्षेत्र से एक नवविवाहिता की आत्महत्या का मामला सामने आया है। शादी के महज 10 दिन बाद किशोरी ने जहर खा लिया। गंभीर हालत में उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया गया,जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में प्रेम प्रसंग और परिवार की असहमति की बात सामने आई है। जानकारी के अनुसार राजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम नरसिंहपुर निवासी 17 वर्षीय चांदनी जायसवाल की शादी 5 मई को सूरजपुर जिले के अखोराकला निवासी युवक से सामाजिक रीति-रिवाज के साथ हुई थी। बताया जा रहा है कि शादी के बाद युवती ने पति को बताया था कि वह किसी अन्य युवक को पसंद करती है और उसके साथ रहना नहीं चाहती। शादी के कुछ दिन बाद ही परिजन चौथिया की रस्म के लिए उसे मायके ले आए थे। शुक्रवार सुबह घर में अकेली रहने के दौरान उसने अपने पिता को फोन कर व्हाट्सएप देखने को कहा। पिता ने मोबाइल देखा तो उसमें जहर की शीशी की फोटो भेजी गई थी। पिता ने तत्काल बेटी को फोन कर ऐसा कदम नहीं उठाने की बात कही और घर के लिए रवाना हुए, लेकिन तब तक युवती जहर का सेवन कर चुकी थी। परिजन उसे पहले राजपुर अस्पताल ले गए, जहां से हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर किया गया। यहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

लिब्रा वॉटरफॉल में डूबने से युवक की मौत...दोस्तों के साथ घूमने आया था,नहाते समय फिसला पैर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 मई 2026
(घटती-घटना)।

दरिमा थाना क्षेत्र अंतर्गत घुनघुट्ठा डेम के पास स्थित लिब्रा वॉटरफॉल में शनिवार को नहाने के दौरान एक युवक की डूबने से मौत हो गई। युवक अपने दोस्तों के साथ घूमने आया था। नहाते समय उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। साथियों ने बचाने की काफी कोशिश की,लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। जानकारी के अनुसार इंद्रदेव पैकरा (पिता संजय पैकरा) पोकसरी गांव का रहने वाला था। वह अपने 5 दोस्तों के साथ लिब्रा वॉटरफॉल घूमने और नहाने पहुंचा था। इसी दौरान पानी में उतरते समय उसका संतुलन बिगड़ गया और वह गहरे हिस्से में चला गया। साथियों ने शोर मचाते हुए उसे बाहर निकालने का प्रयास किया,लेकिन पानी अधिक गहरा होने के कारण वे सफल नहीं हो सके। बाद में स्थानीय लोगों की मदद से युवक को पानी से बाहर निकाला गया। बताया जा रहा है कि उस समय उसकी सांस चल रही थी। इसके बाद साथी उसे तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे,जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जनहित में सवाल : क्या जनप्रतिनिधियों के लिए अलग हैं यातायात नियम?

ई-स्कूटी से पर्यावरण बचाने का संदेश,लेकिन बिना हेलमेट घूमते दिखे जिला पंचायत उपाध्यक्ष

कलेक्ट्रेट परिसर में नियमों की अनदेखी पर उठ सवाल,लोगों ने कहा-'नेता खुद नहीं मानेंगे कानून तो जनता क्या सीखेगी ...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 मई 2026
(घटती-घटना)।

देशभर में पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों और प्रदूषण को देखते हुए इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। शासन से लेकर जनप्रतिनिधि तक लोगों को ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहे हैं। लेकिन जब यही संदेश देने वाले जिम्मेदार लोग खुद यातायात नियमों की अनदेखी करते नजर आएं तो सवाल उठना स्वाभाविक हो जाता है।

ऐसा ही मामला सरगुजा जिले में सामने आया है,जहां जिला पंचायत उपाध्यक्ष देव नारायण यादव ई-स्कूटी से

आवागमन करते दिखाई दिए। ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण की उनकी पहल को लोग सराह रहे हैं,लेकिन बिना हेलमेट कलेक्ट्रेट परिसर में वाहन चलाते नजर आने के बाद अब यह मामला चर्चा का विषय बन गया है।

कलेक्ट्रेट परिसर में बिना हेलमेट घूमते दिखे उपाध्यक्ष : जानकारी के अनुसार जिला पंचायत उपाध्यक्ष को अंबिकापुर कलेक्ट्रेट परिसर में बिना हेलमेट ई-स्कूटी चलाते देखे गये। यह वही परिसर है जहां कलेक्टर कार्यालय,एसपी कार्यालय,जिला पंचायत और कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक विभाग संचालित होते हैं। ऐसे संवेदनशील परिसर में एक जिम्मेदार जनप्रतिनिधि द्वारा खुलेआम यातायात नियमों की अनदेखी किए जाने पर लोगों ने सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं।

जनता बोली— 'क्या नेताओं पर लागू नहीं होता कानून? स्थानीय लोगों का कहना है कि आम नागरिकों को हेलमेट नहीं पहनने पर चालान थमा दिया जाता है, लेकिन जनप्रतिनिधियों के मामले में अक्सर नियमों को नजरअंदाज कर दिया जाता है। लोगों का कहना है कि जनप्रतिनिधि समाज के लिए रोल मॉडल माने जाते हैं। ऐसे में यदि वे खुद नियमों का पालन नहीं करेंगे तो आम जनता तक गलत संदेश जाएगा।

ईंधन बचत की पहल की हो रही सराहना : देव नारायण यादव ने मीडिया से चर्चा में कहा कि वे पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से ई-बाइक का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनका क्षेत्र करीब 10 किलोमीटर के दायरे में है और वहां ई-वाहन से आसानी से पहुंचा जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि वे लोगों को भी इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग के लिए प्रेरित कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि पर्यावरण संरक्षण और ईंधन बचत की सोच निश्चित रूप से सराहनीय है, लेकिन सड़क सुरक्षा नियमों का पालन भी उतना ही जरूरी है।

सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल : यातायात विशेषज्ञों के अनुसार दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा उपकरण है। सड़क दुर्घटनाओं में सिर की चोट सबसे खतरनाक मानी जाती है और हेलमेट ऐसे मामलों में जान बचाने में बड़ी भूमिका निभाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि चाहे वाहन पेट्रोल से चले या बैटरी से, सड़क सुरक्षा नियम सभी के लिए समान हैं।

सोशल मीडिया पर भी बहस तेज : मामले की तस्वीरें और चर्चा सोशल मीडिया पर पहुंचने के बाद लोगों की प्रतिक्रियाएं भी सामने आने लगी हैं। कुछ लोगों ने ई-वाहन को बढ़ावा देने की पहल की तारीफ की,जबकि कई लोगों ने बिना हेलमेट वाहन चलाने को गैरजिम्मेदाराना बताया। कई यूजर्स ने लिखा कि 'देशभक्ति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश अच्छा है,लेकिन कानून पालन की शुरुआत खुद से होनी चाहिए।'

कार्रवाई की मांग : कुछ नागरिकों ने यातायात पुलिस और प्रशासन से मांग की है कि नियमों का पालन सभी के लिए समान रूप से सुनिश्चित किया जाए। लोगों का कहना है कि यदि आम नागरिकों पर चालानी कार्रवाई होती है तो जनप्रतिनिधियों पर भी वही नियम लागू होने चाहिए। हालांकि इस मामले में अब तक प्रशासन या यातायात विभाग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

पत्नी को पीट-पीटकर मार डाला,अस्पताल में शव छोड़ पति फरार

तीन बच्चों के सामने की बेरहमी,गर्भवती महिला के शरीर पर मिले 16 चोट के निशान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 मई 2026
(घटती-घटना)।

मणिपुर थाना क्षेत्र के ग्राम भिट्ठीकला में एक युवक द्वारा अपनी पत्नी की बेरहमी से पिटाई कर हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपी ने तीन बच्चों के सामने ही 23 वर्षीय पत्नी को डंडे और पत्थर से पीटा। महिला के बेहोश होने पर उसे गमछे से कमर में बांधकर बाइक से मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद आरोपी शव छोड़कर फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। जानकारी के अनुसार ग्राम भिट्ठीकला निवासी प्रदीप अगरिया ने करीब 8 वर्ष पूर्व हीरा बाई से प्रेम विवाह किया था। वर्तमान में दोनों के चार बच्चे हैं। हीरा बाई तीन माह की गर्भवती थी। बताया जा रहा है कि आरोपी शराब पीने का आदी था और अक्सर पत्नी से मारपीट करता था। घटना 14 मई की

दोपहर की बताई जा रही है। आरोपी शराब पीकर घर पहुंचा और किसी बात को लेकर पत्नी से विवाद करने लगा। विवाद बढ़ने पर उसने पत्नी की डंडे व पत्थर से बेरहमी से पिटाई कर दी। इस दौरान उसके तीन बच्चे मौके पर मौजूद थे। बड़ी बेटी अपनी मां को बचाने की गुहार लगाती रही, लेकिन आरोपी नहीं रुका। मारपीट के दौरान उसने महिला को घसीटा भी। पिटाई से गंभीर रूप से घायल महिला बेहोश हो गई थी। शाम को आरोपी उसे बाइक से मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचा। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया। मौत की जानकारी मिलते ही आरोपी अस्पताल से फरार हो गया। अस्पताल प्रबंधन की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। महिला के शव का पोस्टमार्टम शुक्रवार को किया गया। डॉक्टरों के अनुसार महिला तीन माह की गर्भवती थी। उसके शरीर पर 16 जगह गंभीर चोट के निशान मिले हैं। मारपीट के कारण महिला और गर्भ में पल रहे शिशु दोनों की मौत हो गई। मृतका के मायके पक्ष की शिकायत पर पुलिस गांव पहुंची। घटनास्थल पर जगह-जगह खून के धब्बे और महिला को घसीटने के निशान मिले हैं। मृतका के परिजनों ने आरोपी पर लंबे समय से मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच करते हुए फरार आरोपी की तलाश कर रही है।

पर्यटन,संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने किया शिव मंदिर निर्माण कार्य का भूमिपूजन

राज्य सरकार धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है : राजेश अग्रवाल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 मई 2026
(घटती-घटना)।

पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने अम्बिकापुर स्थित नमनाकला वार्ड क्रमांक 14 सरना में प्रस्तावित शिव मंदिर निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक विधि-विधान के बीच सम्पन्न हुए इस कार्यक्रम में श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि भगवान शिव भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना के प्रतीक

हैं। मंदिर केवल पूजा-अर्चना का स्थान नहीं होते,बल्कि समाज को जोड़ने और संस्कारों को सहेजने का कार्य भी करते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है, जिससे आने वाली पीढ़ियां अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़ी रहें।

कांग्रेस की प्रेस वार्ता में केन्द्र सरकार की नीतियों पर साधा निशाना....

महंगाई पर केन्द्र सरकार विफल,आम जनता परेशान : प्रेमसाय सिंह

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 मई 2026
(घटती-घटना)।

महंगाई, पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों और उर्वरक संकट को लेकर कांग्रेस ने शनिवार को जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में प्रेस वार्ता आयोजित कर केन्द्र सरकार पर जमकर हमला बोला।

पूर्व मंत्री प्रेमसाय सिंह टेकाम ने कहा कि देश की जनता इस समय संकट के दौर से गुजर रही है और महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। आवश्यक वस्तुएं आम लोगों की पहुंच से दूर होती जा रही हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार महंगाई पर नियंत्रण करने

में पूरी तरह असफल साबित हुई है। प्रेमसाय सिंह ने कहा कि किसानों को समय पर उर्वरक नहीं मिल रहा है, जिससे उत्पादन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री किसानों से यूरिया का उपयोग कम करने की अपील कर रहे हैं, जबकि पिछले कई वर्षों से देश में उर्वरकों की कमी बनी हुई है। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया गया था, लेकिन आज किसान महंगे उर्वरक खरीदने को मजबूर हैं और कर्जदार होते जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में करीब 15 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की जरूरत है, लेकिन अभी तक सीमित मात्रा में ही सोसायटियों तक खाद पहुंच पाई है। इससे किसानों में चिंता बढ़ गई है।

पेट्रोल-डीजल और गैस की बढ़ती कीमतों पर हमला : कांग्रेस नेताओं ने पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर भी केन्द्र सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में पेट्रोल और डीजल के दाम लगातार बढ़े हैं, जिससे आम जनता पर अतिरिक्त बोझ पड़ा है। सरगुजा सहित कई क्षेत्रों में डीजल और पेट्रोल की कमी की स्थिति भी बनी हुई है। प्रेस वार्ता में कहा गया कि घरेलू और कमर्शियल गैस की कीमतों में वृद्धि से आम परिवारों और छोटे उद्योगों पर असर पड़ा है। महंगाई के कारण लोगों का घरेलू बजट बिगड़ गया है और आवश्यक वस्तुओं में कटौती करनी पड़ रही है।

आम आदमी पर बढ़ा आर्थिक बोझ

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि बेरोजगारी और महंगाई के कारण आम लोगों की बचत कम हुई है। घर चलाने के लिए लोगों को कर्ज लेना पड़ रहा है। केन्द्र सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण आम जनता परेशान है।

विदेश यात्राओं और आर्थिक नीतियों पर सवाल

प्रेस वार्ता में प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं और आर्थिक नीतियों को लेकर भी सवाल उठाए गए। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि केन्द्र सरकार जनता को राहत देने के बजाय केवल अपील करने में लगी हुई है। इस दौरान कांग्रेस नेता जेपी श्रीवास्तव और द्वितेन्द्र मिश्रा ने भी केन्द्र सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि बढ़ती महंगाई और ईंधन संकट के लिए केन्द्र सरकार जिम्मेदार है।

दवा व्यापार की 'ऑनलाइन' घेराबंदी के खिलाफ आर-पार की लड़ाई

20 मई को सूरजपुर-कोरिया सहित देशभर की दवा दुकानें रहेंगी बंद,ऑनलाइन फार्मेसी के खिलाफ केमिस्टों का बड़ा आंदोलन

'यह सिर्फ व्यापार का नहीं,जनस्वास्थ्य और मरीजों की सुरक्षा का सवाल' : औषधि विक्रेता संघ

-संवाददाता-
कोरिया/सूरजपुर,16 मई 2026 (घटती-घटना)।

देशभर में तेजी से फैलते ऑनलाइन फार्मेसी कारोबार के खिलाफ अब दवा व्यापारियों ने खुला मोर्चा खोल दिया है,57 अखिल भारतीय रसायनज्ञ एवं औषध विक्रेता संगठन के आह्वान पर आगामी 20 मई 2026,बुधवार को देशव्यापी दवा व्यापार बंद का ऐलान किया गया है,इस आंदोलन को जिला सूरजपुर औषधि विक्रेता संघ और कोरिया जिला औषधि विक्रेता संघ ने पूर्ण समर्थन देते हुए जिले की सभी मेडिकल दुकानों को एकदिवसीय बंद रखने का निर्णय लिया है,दवा व्यापारियों का कहना है कि यह लड़ाई केवल व्यापारिक प्रतिस्पर्धा की नहीं,बल्कि देश की स्वास्थ्य व्यवस्था, मरीजों की सुरक्षा और दवाओं की विश्वसनीयता बचाने की लड़ाई है। संघ का आरोप है कि बिना मजबूत निगरानी और स्पष्ट नियमों के ऑनलाइन दवा बिक्री आने वाले समय में बड़ा स्वास्थ्य संकट पैदा कर सकती है।

कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन प्रशासन से मांगा सहयोग

आंदोलन की तैयारी को लेकर सूरजपुर और कोरिया जिले के औषधि विक्रेता संघों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर सहयोग की मांग की है, सूरजपुर में संघ के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर एवं एडीसी को ज्ञापन सौंपा,इस दौरान संरक्षक राजेश गोयल, प्रदेश सदस्य दीपक मित्तल, उपाध्यक्ष अंबिकेश्वर त्रिपाठी, राकेश प्रजापति, नितिन गुप्ता और योगेंद्र साहू सहित कई केमिस्ट उपस्थित रहे, वहीं कोरिया जिले में संघ अध्यक्ष शैलेश गुप्ता और सचिव नंद किशोर राजवाड़े ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए प्रशासन से आवश्यक समन्वय और सहयोग की मांग की।

आखिर ऑनलाइन फार्मेसी से इतनी नाराजगी क्यों?

दवा व्यापारियों का कहना है कि वर्तमान ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट उस दौर में बना था जब ऑनलाइन दवा बिक्री जैसी कोई व्यवस्था नहीं थी,डिजिटल प्लेटफॉर्म के बढ़ते विस्तार के बीच मौजूदा कानून ऑनलाइन दवा कारोबार की चुनौतियों को नियंत्रित करने में पूरी तरह सक्षम नहीं दिख रहे हैं,संघ ने ऑनलाइन फार्मेसी से जुड़े कई गंभीर खतरे गिनाए हैं।

नकली प्रिस्क्रिप्शन का बढ़ता खतरा

औषधि विक्रेताओं का कहना है कि आज एआई और एडिटिंग एप्स की मदद से फर्जी प्रिस्क्रिप्शन बनाना बेहद आसान हो गया है, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर इन प्रिस्क्रिप्शन की वास्तविक जांच के लिए मजबूत व्यवस्था नहीं होने से गलत, प्रतिबंधित या जरूरत से ज्यादा दवाओं की आपूर्ति का खतरा लगातार बढ़ रहा है।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग की आशंका- संघ ने चेतावनी दी है कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए आदत बनाने वाली और प्रतिबंधित दवाओं की होम डिलीवरी युवा पीढ़ी के लिए बड़ा खतरा बन सकती है, बिना प्रत्यक्ष पहचान और सत्यापन के दवाओं की उपलब्धता नशे और दवा दुरुपयोग को बढ़ावा दे सकती है।

मरीज की सुरक्षा पर बड़ा सवाल- ऑफलाइन मेडिकल स्टोर्स में मरीज और डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन की प्रत्यक्ष जांच की जाती है, लेकिन ऑनलाइन माध्यम में यह प्रक्रिया कई बार केवल औपचारिकता बनकर रह जाती है, दवा व्यापारियों का आरोप है कि कई मामलों में बिना पर्याप्त मेडिकल सत्यापन के दवाएं भेजी जा रही हैं, जिससे मरीजों की जान तक जोखिम में पड़ सकती है।

एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस का बढ़ता संकट

विशेषज्ञ लंबे समय से चेतावनी देते रहे हैं कि एंटीबायोटिक दवाओं का अनियंत्रित उपयोग भविष्य में वैश्विक स्वास्थ्य संकट बन सकता है, संघ का कहना है कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आसानी से एंटीबायोटिक दवाएं उपलब्ध होने से लोग बिना डॉक्टर की सलाह के दवाएं ले रहे हैं,इसका परिणाम 'एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस' के रूप में सामने आ सकता है,जहां सामान्य संक्रमण पर भी दवाएं असर करना बंद कर देंगी।

दवाओं की गुणवत्ता और तापमान पर भी सवाल

औषधि विक्रेताओं ने यह भी सवाल उठाया कि ऑनलाइन डिलीवरी के दौरान दवाओं के भंडारण और तापमान नियंत्रण की निगरानी कौन करता है? कई जीवनरक्षक दवाएं निश्चित तापमान पर सुरक्षित रखी जाती हैं, यदि परिवहन या डिलीवरी के दौरान तापमान नियंत्रण नहीं हुआ तो दवा की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है और मरीज को गंभीर नुकसान हो सकता है।

यह आंदोलन व्यापार नहीं, स्वास्थ्य व्यवस्था बचाने की लड़ाई-संघ पदाधिकारियों का कहना है कि देशभर के लगभग 12 लाख से अधिक केमिस्ट इस आंदोलन में शामिल हो रहे हैं, उनका कहना है कि यह किसी प्रतिस्पर्धा का मामला नहीं,बल्कि देश की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुरक्षित रखने का प्रयास है, संघ ने आम जनता से अपील की है कि 20 मई के बंद को देखते हुए लोग अपनी जरूरी दवाओं की व्यवस्था पहले से कर लें ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो।

सरकार से सख्त कानून बनाने की मांग...

संघ के पदाधिकारियों ने मांग की है कि सरकार ऑनलाइन फार्मेसी के लिए स्पष्ट,पारदर्शी और सख्त नियम बनाए, मरीजों के मेडिकल डेटा, निजी जानकारी और स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही गंभीर परिणाम पैदा कर सकती है, संघ का कहना है कि यदि ऑनलाइन दवा बिक्री जारी रखनी है तो ऐसी नीति बनाई जाए जिसमें मरीजों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता हो और हर दवा बिक्री की जवाबदेही तय हो।

20 मई को दिखेगा व्यापक असर

देशव्यापी बंद का असर सूरजपुर,कोरिया और आसपास के जिलों में व्यापक रूप से देखने को मिल सकता है,अधिकांश मेडिकल स्टोर्स बंद रहने की संभावना है,हालांकि अस्पतालों और आपातकालीन सेवाओं के लिए प्रशासन द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था को लेकर चर्चा जारी है,फिलहाल 20 मई का यह बंद केवल एक दिन का विरोध नहीं, बल्कि ऑनलाइन फार्मेसी को लेकर देशभर के दवा व्यापारियों की बढ़ती चिंता,असंतोष और स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर उठ रहे सवालों का बड़ा संकेत माना जा रहा है।

चम्बोथी तालाब स्थित शिव मंदिर में विधि-विधान से हुआ वट सावित्री पूजन....

महिलाओं ने किया वट वृक्ष का रोपण,क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 मई 2026 (घटती-घटना)।

वट सावित्री व्रत के पावन अवसर पर शनिवार 16 मई को अंबिकापुर के स्थानीय चम्बोथी तालाब स्थित नवनिर्मित शिव मंदिर प्रांगण में मोहल्ले की महिलाओं द्वारा श्रद्धा एवं विधि-विधान के साथ पूजन-अर्चना की गई। पूजन कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने वट सावित्री व्रत की पारंपरिक पूजा कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं अखंड सौभाग्य की कामना की। मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से सराबोर रहा। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए मंदिर प्रांगण में वट वृक्ष का रोपण भी किया गया। उपस्थित महिलाओं ने कहा कि आने वाले वर्षों में यह वृक्ष क्षेत्रवासियों को छाया, शुद्ध वातावरण और धार्मिक महत्व का लाभ प्रदान करेगा। कार्यक्रम में मोहल्ले की कई महिलाओं ने सक्रिय सहयोग दिया। जिनमें सामाजिक कार्यकर्ता साधना कश्यप, गीता कश्यप, सुषमा कश्यप, सृष्टि कश्यप, मोनिका कश्यप, सुभद्रा कश्यप, पुष्पा कश्यप, राशि गुप्ता, सीमा गुप्ता, सरिता त्रिपाठी, रचना त्रिपाठी एवं छोटी त्रिपाठी की सहभागिता सराहनीय रही। पूरे आयोजन के दौरान महिलाओं में उत्साह और धार्मिक आस्था का विशेष माहौल देखने को मिला।

सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र के लिए की वट वृक्ष की पूजा

शहर सहित सरगुजा जिले में शनिवार को वट सावित्री व्रत श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना करते हुए विधि-विधान से वट वृक्ष की पूजा-अर्चना की। सुबह से ही मंदिरों और वट वृक्षों के आसपास महिलाओं की भीड़ देखने को मिली। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सज-धज कर पूजा की और सावित्री-सत्यवान की कथा सुनी। शहर के महामाया मंदिर परिसर, गांधी चौक, ब्रह्मपारा और विभिन्न मोहल्लों में स्थित वट वृक्षों के पास महिलाओं ने पूजा की थाली सजाकर रोली, अक्षत, फल-फूल और मिठाई अर्पित की। पूजा के दौरान महिलाओं ने वट वृक्ष के चारों ओर धागा बांधकर सात फेरे लगाए तथा परिवार की खुशहाली की कामना की। कई स्थानों पर सामूहिक रूप से व्रत कथा का आयोजन भी किया गया। मान्यता है कि माता सावित्री ने अपने पति सत्यवान के प्राण यमराज से वापस प्राप्त किए थे। इसी कारण यह व्रत पति की दीर्घायु और अखंड सौभाग्य के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। महिलाओं ने दिनभर निर्जला व्रत रखकर पूजा संपन्न की। पूजा स्थलों पर धार्मिक माहौल बना रहा। बाजारों में भी पूजा सामग्री, फल और मिठाइयों की दुकानों पर सुबह से भीड़ रही। बच्चों और युवतियों में भी उत्साह देखने को मिला। शाम तक शहर के विभिन्न इलाकों में पूजा-अर्चना का सिलसिला चलता रहा।

हल्की आंधी में गुल हुई बिजली, रात में विद्युत दफ्तर पहुंचे लोग

मेंटेनेंस पर लाखों खर्च के बावजूद नहीं सुधर रही व्यवस्था,उपभोक्ताओं में नाराजगी....

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 मई 2026 (घटती-घटना)।

गर्मी का मौसम शुरू होते ही शहर में बिजली व्यवस्था चरमराने लगी है। भीषण गर्मी के बीच बार-बार बिजली कटौती से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। शुक्रवार रात हल्की आंधी और बारिश के बाद कई इलाकों की बिजली गुल हो गई। लोग करीब दो से तीन घंटे तक बिजली आने का इंतजार करते रहे,लेकिन सप्लाई बहाल नहीं होने पर उपभोक्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा। जानकारी के अनुसार मायापुर सहित आसपास के इलाकों में रात के समय अचानक बिजली बंद हो गई। गर्मी और उमस से लोग बेहाल हो गए। कई लोगों ने विद्युत विभाग के टॉल फ्री नंबर पर संपर्क करने की कोशिश की,लेकिन किसी भी अधिकारी या कर्मचारी ने फोन रिसीव नहीं किया। इससे लोगों में नाराजगी और बढ़ गई। आक्रोशित लोग पार्षद शुभम जायसवाल के नेतृत्व में देर रात कोतवाली के पीछे स्थित विद्युत विभाग के कार्यालय पहुंच गए। यहां पहुंचने पर भी कोई जिम्मेदार अधिकारी मौजूद नहीं मिला। लोगों ने विभाग की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि हर साल मेंटेनेंस के नाम पर लाखों रुपए खर्च किए जाते हैं,लेकिन हल्की आंधी-पानी में ही बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा जाती है। पार्षद शुभम जायसवाल ने कहा कि भीषण गर्मी में तीन घंटे से अधिक समय तक बिजली बंद रहने से लोग परेशान हो गए। छोटे बच्चे, बुजुर्ग और मरीजों को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर, जिला-सूरजपुर(छ0ग0)

सार्वजनिक उद्घोषणा ईश्तहार

क्रमांक/21086/वाचक-2/2025
सूरजपुर दिनांक 11/65/2026

सर्व साधारण ग्रामवासी /नगरवासी ग्राम/नगर सुरजपुर. प0ह0नं0.08 तहसील सूरजपुर जिला - सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक शैलेन्द्र गुप्ता पिता विजयभामा जाति हलवाई निवासी ग्राम सूरजपुर पोस्ट सूरजपुर थाना सूरजपुर तह0सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0) ने अपने माँ कृष्णा देवी पति स्व0 विजयभामा मृत्यु तिथि 11 /12/2023 स्थान सूरजपुर के मृत्यु पत्र हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है, जिसमें कार्यवाही की जा रही है।

अतः इस न्यायालय में जिस व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति/आक्षेप हो तो वे स्वंय अथवा अपने अभिभावक द्वारा इस न्यायालय में दिनांक 26/05/2025 दिन मंगलवार को उपस्थित होकर दावा/आपत्ति/आक्षेप प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा/आपत्ति/आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 11/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

नायब तहसीलदार
उप तहसील मानी
जिला-सूरजपुर,छ0ग0
सील

सूचना

मै छवि प्रसाद राजवाड़े आ. शंकर राजवाड़े, उम्र लगभग 39 वर्ष, जाति रजवार, निवासी ग्राम बरपारा, पोस्ट भटगाँव, थाना व तहसील भटगाँव, जिला- सूरजपुर (छ.ग.) यह कि मेरे पुत्र का सही एवं वास्तविक नाम 'प्रियांशु PRIYANSHU RAJWADE' उम्र लगभग 17 वर्ष (जन्मतिथि 15/07/2008) है। मेरे पुत्र का आधार नम्बर 6740 8201 1823 है । मेरे पुत्र के सम्पूर्ण शैक्षणिक दस्तावेजों, जन्म प्रमाणपत्र एवं अन्य दस्तावेजों में मेरे पुत्र का नाम 'प्रियांशु राजवाडे PRIYANSHU RAJWADE' पिता का नाम 'छवि प्रसाद राजवाडे CHHAVI PRASAD RAJWADE' अंकित है जो कि सत्य एवं सही है । मेरे पुत्र के आधार कार्ड क्रमांक 67408201 1823 में मेरे पुत्र का नाम 'प्रियाभु राजवाडे PRIYABHU RAJVADE' पिता का नाम 'छविप्रसाद राजवाडे CHHAVIPRASAD RAJVADE' अंकित हो गया है जो कि त्रुटिपूर्ण है। मेरे पुत्र के आधार कार्ड में अंकित मेरे एवं मेरे पुत्र के गलत नाम को सुधारकर उसके स्थान पर मेरे पुत्र का सही एवं वास्तविक नाम 'प्रियांशु राजवाडे/ PRIYANSHU RAJWADE' पिता का नाम 'छवि प्रसाद राजवाडे CHHAVI PRASAD RAJWADE' अंकित किये जाने हेतु शासकीय गजट में प्रकाशित करवाने हेतु मेरा स्वयं का शपथपत्र प्रस्तुत है।

सपथकर्ता
छवि प्रसाद राजवाड़े

छत्तीसगढ़ सर्व समाज के स्थापना दिवस समारोह में शामिल होंगे सरगुजा के पदाधिकारी...

रायपुर में 21 को आयोजित होगा पांचवां स्थापना दिवस समारोह

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 मई 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन के पांचवें स्थापना दिवस समारोह को लेकर जिला सरगुजा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 21 मई 2026 को रायपुर स्थित वृंदावन हॉल में होने वाले स्थापना दिवस समारोह में बड़ी संख्या में शामिल होने का निर्णय लिया गया। बैठक की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन के साथ की गई। इसके बाद संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अपने-अपने विचार रखे तथा संगठन के विस्तार, सामाजिक एकता और विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में निर्णय लिया गया कि सरगुजा जिले से पदाधिकारी एवं सदस्य रायपुर में आयोजित पांचवें स्थापना दिवस समारोह में शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान संगठन के नए पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष आनंद यादव,पंकज गुप्ता,अनामिका पैकरा, डॉ. कृपाशंकर पटेल, महिला मोर्चा प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष रश्मि जायसवाल, युवा मोर्चा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष दीपक अगरिया, संजय यादव, प्रभा यादव, सुमन चक्रधारी, सुनील जायसवाल, रमेश कुमार पैकरा, चंद्रदेव चक्रधारी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के दौरान संगठन को समाजहित में और अधिक सक्रिय बनाने तथा सामाजिक समरसता को मजबूत करने पर भी जोर दिया गया।

आर्थिक मुद्दों और विदेश नीति को लेकर सरकार पर उठे सवाल...सोशल मीडिया पोस्ट में

आर्थिक बदइंतजामी, निवेश पलायन और गिरती वैश्विक साख को लेकर तीखे आरोप

'युद्ध नहीं,नीतिगत विफलताएं असली संकट' : आशीष वर्मा

नई दिल्ली,16 मई 2026। देश की आर्थिक स्थिति,विदेशी निवेश,रुपये की गिरती स्थिति और विदेश नीति को लेकर सोशल मीडिया पर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। राजनीतिक विश्लेषक आशीष वर्मा द्वारा जारी एक विस्तृत पोस्ट में केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों और विदेश नीति पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। पोस्ट में दावा किया गया है कि देश की आर्थिक चुनौतियों को युद्ध और वैश्विक परिस्थितियों की आड़ में छिपाने की कोशिश की जा रही है,जबकि वास्तविक कारण नीतिगत विफलताएं और आर्थिक कुप्रबंधन हैं।

रुपया कमजोर क्यों हुआ?

आशीष वर्मा ने अपने बयान में सवाल उठाते हुए कहा कि भारतीय रुपया दुनिया की कमजोर प्रदर्शन करने वाली मुद्राओं में क्यों पहुंच गया। उन्होंने तर्क दिया कि यदि वैश्विक संकट और युद्ध ही कारण हैं तो अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाएं उसी अनुपात में प्रभावित क्यों नहीं हुईं। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार कमजोर होती मुद्रा देश की आर्थिक नीतियों पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है।

विदेशी निवेशकों के पलायन पर भी सवाल : पोस्ट में यह भी कहा गया कि विदेशी संस्थागत निवेशक (FII और FPI) पिछले कई वर्षों से भारतीय बाजारों से पूंजी निकाल रहे हैं। इसे लेकर सवाल उठाया गया कि क्या निवेशकों को सरकार की आर्थिक नीतियों पर भरोसा नहीं रहा। आशीष वर्मा ने लिखा कि यदि वर्तमान संकट का कारण केवल युद्ध है तो फिर निवेशकों का भरोसा कई वर्ष पहले से क्यों कमजोर होने लगा था।

चाबहार परियोजना और ऊर्जा नीति पर टिप्पणी : पोस्ट में भारत की रणनीतिक परियोजनाओं और ऊर्जा नीति का भी उल्लेख किया गया। उन्होंने सवाल किया कि चाबहार बंदरगाह जैसी महत्वपूर्ण परियोजना से भारत पीछे क्यों हट गया,जबकि यह परियोजना क्षेत्रीय व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जाती रही है। इसके साथ ही रूस और ईरान से सस्ते तेल की नीति में बदलाव को लेकर भी सवाल उठाए गए। पोस्ट में कहा गया कि भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े फैसले स्वतंत्र रूप से लेने चाहिए।

'पासपोर्ट की साख गिरने' का दावा

आशीष वर्मा ने भारतीय पासपोर्ट की वैश्विक रैंकिंग और अंतरराष्ट्रीय छवि को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यदि विदेश नीति मजबूत होती तो वैश्विक स्तर पर भारत की स्थिति और प्रभाव अलग दिखाई देता। हालांकि उन्होंने अपने दावों के समर्थन में कोई आधिकारिक आंकड़े साझा नहीं किए।

सोशल मीडिया पर तेज हुई बहस

पोस्ट सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर पक्ष और विपक्ष में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कुछ लोगों ने इसे सरकार की आर्थिक नीतियों पर जरूरी सवाल बताया, जबकि समर्थकों ने इन आरोपों को राजनीतिक प्रेरित करार दिया। कई यूजर्स ने कहा कि वैश्विक आर्थिक मंदी, युद्ध, कच्चे तेल की कीमतें और अंतरराष्ट्रीय बाजार की परिस्थितियों का असर सभी देशों पर पड़ा है, जबकि अन्य लोगों ने घरेलू नीतियों को अधिक जिम्मेदार बताया।

विशेषज्ञों की राय अलग-अलग

आर्थिक मामलों के जानकारों का कहना है कि किसी भी देश की मुद्रा,निवेश और आर्थिक प्रदर्शन कई वैश्विक एवं घरेलू कारकों से प्रभावित होते हैं। इसमें अंतरराष्ट्रीय बाजार,युद्ध,ब्याज दरें, राजनीतिक स्थिरता,नीतिगत फैसले और निवेशकों का भरोसा महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार आर्थिक मुद्दों पर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बजाय तथ्यात्मक चर्चा और आंकड़ों के आधार पर बहस अधिक आवश्यक है।

सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं

समाचार लिखे जाने तक केंद्र सरकार या संबंधित विभाग की ओर से इस सोशल मीडिया पोस्ट पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी।

CMYK

बारदाना गोदाम में फिर आग

हादसा, लापरवाही या किसी बड़े खेल का धुआं?

एक ही राइस मिलर के गोदाम में चार महीने में दूसरी बार आग, धान खरीदी व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल, पहली जांच का सच अब तक धुएं में, दूसरी घटना ने बढ़ाई साजिश की आशंका

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर, 16 मई 2026 (घटती-घटना)। जिले के पर्री स्थित संदीप एग्रो एजेंसी के बंद पड़े बारदाना गोदाम में एक बार फिर लगी भीषण आग अब केवल आगजनी की सामान्य घटना नहीं रह गई है,चार महीने के भीतर एक ही गोदाम में दूसरी बार आग लगने से प्रशासनिक व्यवस्था,धान खरीदी प्रणाली और गोदाम प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं,स्थानीय लोगों से लेकर धान खरीदी व्यवस्था से जुड़े जानकारों तक, हर कोई अब यही पूछ रहा है–आखिर यह आग लग रही है या लगाई जा रही है?

गुरुवार को लगी इस आग में हजारों पुराने और खराब बारदाने जलकर राख हो गए। आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते गोदाम के भीतर धुएं और लपटों का गुबार फैल गया, सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका, हालांकि तब तक भारी नुकसान हो चुका था,लेकिन इस पूरी घटना का सबसे गंभीर पहलू यह है कि इसी गोदाम में जनवरी 2026 में भी आग लग चुकी है। उस घटना के

घटती घटना | सरगुजा - अंतर्राष्ट्रीय समाचार | अम्बिकापुर, बुधवार 14 जनवरी 2026 | 4

धान खरीदी के बीच आग-संयोग नहीं, साजिश की बू?

सूरजपुर के बारदाना अग्निकांड की निष्पक्ष जांच अब अनिवार्य

- धान खरीदी के बीच राइस मिल के बारदाना गोदाम में भीषण आग
- 50-60 लाख का नुकसान,जांच से पहले आग-संयोग या किसी बड़े घोटाले को छुपाने की कोशिश?

बाद जांच टीम गठित हुई थी,प्रशासनिक बयान आए थे, लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी न तो आग के वास्तविक कारण सामने आए और न ही किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई दिखाई दी। अब दूसरी बार आग लगने के बाद पुराने सवाल फिर से जिंदा हो गए हैं।

प्रशासन फिर जांच की बात कर रहा,लेकिन भरोसा कम

घटना के बाद एक बार फिर प्रशासन ने जांच के आदेश दिए हैं, अधिकारियों का कहना है कि आग लगने के कारणों की हर पहलू से जांच की जाएगी,शॉर्ट सर्किट,लापरवाही,तकनीकी कारण और संभावित साजिश–सभी बिंदुओं पर पड़ताल होगी,लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या इस बार जांच वास्तव में निष्पक्ष और प्रभावी होगी? क्योंकि पिछली बार भी जांच टीम बनी थी,लेकिन उसका परिणाम आज तक सार्वजनिक रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया,यही कारण है कि अब लोगों में जांच प्रक्रिया को लेकर भरोसे से ज्यादा संदेह दिखाई दे रहा है।

आखिर बारदाना इतना महत्वपूर्ण क्यों?

धान खरीदी व्यवस्था में बारदाना केवल बोरे नहीं होते,बल्कि पूरी खरीदी प्रणाली का सबसे महत्वपूर्ण आधार माने जाते हैं, कितने बारदाने जारी हुए, कितने उपयोग हुए,कितने गोदाम में रखे गए और कितने वापस आए–इन्हीं आंकड़ों से धान खरीदी की वास्तविक स्थिति का अंदाजा लगाया जाता है,विशेषज्ञों की मानें तो बारदाना ही वह कड़ी है जिससे धान स्टॉक,परिवहन,भंडारण और वास्तविक खरीदी का हिसाब जुड़ा रहता है,यदि बारदाना रिकॉर्ड में गड़बड़ी होती है तो धान की कमी, फर्जी खरीदी,अतिरिक्त भुगतान या स्टॉक अंतर जैसी बड़ी अनियमितताओं की आशंका पैदा हो जाती है,यही वजह है कि बार-बार बारदाना गोदाम में आग लगने की घटनाओं को लोग सामान्य हादसा मानने को तैयार नहीं हैं।

क्या आग की आड़ में छिपाया जा रहा कोई बड़ा खेल?

स्थानीय स्तर पर अब यह चर्चा तेज हो गई है कि कहीं यह आग किसी बड़े आर्थिक खेल या रिकॉर्ड मिटाने की कोशिश का हिस्सा तो नहीं, क्योंकि जब बारदाना जलता है तो केवल बोरे नहीं जलते,बल्कि कई सवाल और संभावित सबूत भी राख में बदल जाते हैं,धान खरीदी के दौरान बारदाना का हिसाब सबसे संवेदनशील माना जाता है,यदि किसी स्तर पर धान स्टॉक में कमी,फर्जी एंट्री या आवंटन में गड़बड़ी हुई हो, तो उसका सबसे बड़ा सुराग बारदाना रिकॉर्ड से ही मिलता है,ऐसे में एक ही गोदाम में बार-बार आग लगना कई संदेह पैदा कर रहा है, कुछ स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पहली घटना के बाद निष्पक्ष और गहराई से जांच हुई होती, सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की गई होती और जवाबदेही तय की गई होती,तो शायद दूसरी घटना नहीं होती।

पहली जांच का क्या हुआ?

12 जनवरी 2026 को इसी गोदाम में पहली बार भीषण आग लगी थी। उस समय लाखों रुपये के नुकसान की बात सामने आई थी, प्रशासन ने मामले को गंभीर बताते हुए जांच टीम गठित की थी, कुछ दिनों तक जांच,निरीक्षण और बयानबाजी का दौर चला,लेकिन बाद में पूरा मामला ठंडे बस्ते में जाता दिखाई दिया, आज तक न तो यह स्पष्ट हुआ कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी थी,न किसी तकनीकी खराबी की पुष्टि हुई और न ही किसी संभावित साजिश की दिशा में कोई खुला निष्कर्ष सामने आया,अब दूसरी घटना के बाद लोग पूछ रहे हैं कि यदि पहली जांच पूरी और निष्पक्ष होती,तो क्या दूसरी बार वही घटना दोहराई जाती?

बंद पड़े गोदाम में आखिर इतनी सामग्री क्यों?

घटना का एक और बड़ा पहलू यह भी है कि बताया जा रहा है कि गोदाम करीब दो वर्षों से बंद पड़ा था,ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि आखिर बंद गोदाम में इतनी बड़ी मात्रा में बारदाना क्यों रखा गया था? क्या उसका रिकॉर्ड व्यवस्थित था? क्या वहां सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम थे? और यदि गोदाम उपयोग में नहीं था तो निगरानी व्यवस्था किसके जिम्मे थी? स्थानीय लोगों का कहना है कि गोदाम की हालत लंबे समय से खराब थी और वहां सुरक्षा लगभग नाममात्र की थी,ऐसे में आग लगने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता, लेकिन लगातार दूसरी बार आग लगना संयोग मानना भी आसान नहीं है।

धान खरीदी व्यवस्था पर असर

इस घटना ने धान खरीदी व्यवस्था की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं,धान खरीदी में हर साल करोड़ों रुपये का लेन-देन होता है और बारदाना उसकी सबसे अहम कड़ी माना जाता है,यदि बारदाना रिकॉर्ड ही सुरक्षित नहीं रहेंगे,या बार-बार आग में नष्ट होते रहेंगे,तो पूरी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर असर पड़ना तय है, विशेषज्ञ मानते हैं कि इस मामले में केवल आग लगने की जांच पर्याप्त नहीं होगी, प्रशासन को बारदाना स्टॉक, धान खरीदी रिकॉर्ड, परिवहन दस्तावेज, आवंटन रजिस्टर और गोदाम प्रबंधन की भी विस्तृत जांच करनी चाहिए।

अब सबकी नजर जांच पर...

फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है और नुकसान का आंकलन किया जा रहा है,लेकिन इस घटना ने कई ऐसे सवाल खड़े कर दिए हैं जिनके जवाब अब जरूरी हो गए हैं,क्या यह महज हादसा है? क्या यह लापरवाही का परिणाम है? या फिर आग की आड़ में किसी बड़े खेल को छिपाने की कोशिश हो रही है? अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस बार जांच को केवल औपचारिकता तक सीमित रखता है या फिर सच को सामने लाने के लिए वास्तव में निष्पक्ष और गहराई से कार्रवाई करता है,क्योंकि यदि दूसरी बार भी मामला केवल अज्ञात कारण बताकर बंद कर दिया गया,तो सवालों का धुआं और गहरा जाएगा।

नवपदस्थ कलेक्टर रोक्तिमा यादव से कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन की सौजन्य भेंट

प्रशासन और कर्मचारियों के बीच बेहतर समन्वय एवं संवाद पर हुई सकारात्मक चर्चा

-संवाददाता-

कोरिया, 16 मई 2026 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी महासंघ जिला कोरिया के प्रतिनिधिमंडल ने जिले की नवपदस्थ कलेक्टर रोक्तिमा यादव से सौजन्य भेंट कर प्रशासनिक संवाद की सकारात्मक शुरुआत की, इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर कलेक्टर महोदया का आत्मीय स्वागत किया तथा उन्हें नवीन दायित्व के सफल निर्वहन हेतु शुभकामनाएं प्रेषित कीं। मुलाकात का वातावरण सौहार्द, सम्मान और आपसी विश्वास से परिपूर्ण रहा। भेंट के दौरान कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने कर्मचारियों को प्रशासन का अभिन्न अंग बताते हुए कहा कि प्रशासन और कर्मचारियों के बीच बेहतर समन्वय एवं संवाद सुशासन की आधारशिला है, उन्होंने कर्मचारियों के साथ सहयोगात्मक वातावरण में कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की, कलेक्टर महोदया ने कहा कि प्रशासनिक कार्यों में कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और बेहतर तालमेल के माध्यम से आम जनता तक योजनाओं एवं सेवाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सकता है, इस अवसर पर फेडरेशन के संभागीय उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह ददा, शंकर सुमन मिश्रा, संयोजक आर.एस. चांदे, सुरेश एक्का, शिवलाल राजवाड़े, रामविनोद यादव, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, समोद दुबे, अमृतांशु मिश्रा एवं राघवेंद्र तिवारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नशे के कारोबारियों पर पुलिस का बड़ा प्रहार

75 हजार रुपये के नशीले इंजेक्शन के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-

सूरजपुर, 16 मई 2026 (घटती-घटना)। सूरजपुर पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 75 हजार रुपये कीमत के नशीले इंजेक्शन जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, पुलिस की यह कार्रवाई जिले में लगातार चलाए जा रहे नशा विरोधी अभियान के तहत की गई।

जानकारी के अनुसार डीआईजी एवं एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर द्वारा जिले के सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को नशे के कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा प्रभावी वाहन चेकिंग के निर्देश दिए गए थे,इसके बाद से जिलेभर में पुलिस लगातार निगरानी और कार्रवाई कर रही है।

रेलवे स्टेशन के बाहर संदिग्ध हालत में मिला आरोपी

दिनांक 13 मई 2026 को चौकी बसदेई पुलिस टीम रोड पेट्रोलिंग पर थी, इसी दौरान सूरजपुर रोड रेलवे स्टेशन में अंबिकापुर-दुर्ग ट्रेन के आने का समय होने पर पुलिस स्टेशन परिसर के बाहर यात्रियों से पूछताछ कर रही थी,तभी एक व्यक्ति हाथ में झोला लिए संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया,जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा, पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया, पूछताछ में उसने अपना नाम मदनेश्वर प्रसाद पिता स्वर्गीय रामरतन उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम सोनपुर चौकी बसदेई बताया।

झोले से मिले 100 नशीले इंजेक्शन

पुलिस द्वारा झोले की तलाशी लेने पर उसमें से एविल इंजेक्शन 50 नग एवं रेक्सोजेसिक इंजेक्शन 50 नग सहित कुल 100 नशीले इंजेक्शन बरामद किए गए,जिनकी अनुमानित कीमत करीब 75 हजार रुपये बताई गई है,पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसे एक व्यक्ति द्वारा 20 हजार रुपये दिए गए थे,जिसके बाद वह मध्यप्रदेश के एक जिले के मेडिकल स्टोर से नशीले इंजेक्शन खरीदकर ला रहा था।

एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज...

मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 320/2026 के तहत धारा 21(सी) एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है,पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है,इस कार्रवाई में चौकी प्रभारी योगेंद्र जायसवाल,महिला प्रधान आरक्षक अलका टोप्पो,देवदत्त दुबे,आदित्य यादव,अशोक केंवट एवं निलेश जायसवाल की सक्रिय भूमिका रही।

सीबीएसई 12वीं बोर्ड रिजल्ट जारी, समृद्धि चावला और मान्यता जायसवाल ने बढ़ाया क्षेत्र का मान

-संवाददाता-

एमसीबी/सूरजपुर, 16 मई 2026 (घटती-घटना)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा 12वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है,परिणाम जारी होते ही विद्यार्थियों और अभिभावकों में खुशी का माहौल देखने को मिला,इसी क्रम में चिरमिरी और विश्रामपुर की दो छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन कर अपने विद्यालय, परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

समृद्धि चावला ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर किया शानदार प्रदर्शन- डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, चिरमिरी की मेधावी छात्रा समृद्धि चावला ने कक्षा 12वीं कॉमर्स संकाय में 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। समृद्धि ने न केवल कॉमर्स बल्कि साइंस एवं कॉमर्स दोनों सेक्शन में टॉप कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है, समृद्धि इससे पहले कक्षा 10वीं में भी विद्यालय की टॉपर रह चुकी हैं, उनकी इस सफलता से परिवार और विद्यालय में खुशी का माहौल है, समृद्धि चिरमिरी के प्रतिष्ठित व्यापारी नरेश चावला एवं माता साक्षी चावला की पुत्री हैं, परिजनों ने उनकी सफलता का श्रेय मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया है।

मान्यता जायसवाल ने 97 प्रतिशत अंक लाकर विद्यालय में किया टॉप- डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल विश्रामपुर की छात्रा मान्यता जायसवाल ने सीबीएसई 12वीं बोर्ड परीक्षा 2025-26 में 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया है, मान्यता की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार के साथ पूरा सूरजपुर जिला गौरवान्वित महसूस कर रहा है, उनकी सफलता पर पिता मुकेश कुमार जायसवाल एवं माता नम्रता जायसवाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बेटी की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन को सफलता का आधार बताया, विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने मान्यता को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनेगी, परिवारजनों, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों ने भी मान्यता जायसवाल को शानदार सफलता पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

नई कलेक्टर की दस्तक और खनिज विभाग की अचानक सक्रियता

क्या सचमुच बदलेगा कोरिया का हाल?

कोरिया में खनिज विभाग की अचानक सक्रियता पर उठा सवाल

नई कलेक्टर के आते ही शुरू हुई ताबड़तोड़ कार्रवाई,लेकिन अवैध ईंट भट्ठों,रेत माफियाओं और जंगलों में चल रहे अवैध कोयला कारोबार पर अब भी खामोशी क्यों?

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर,16 मई 2026 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले में नई कलेक्टर के पदभार ग्रहण करते ही प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज हो गई है, हर विभाग खुद को सक्रिय और जवाबदेह साबित करने में जुटा हुआ है,कहीं निरीक्षण हो रहे हैं,कहीं नोटिस जारी हो रहे हैं,तो कहीं कार्रवाई की तस्वीरें और प्रेस विज्ञप्तियां जारी कर यह संदेश देने की कोशिश हो रही है कि अब जिले में सख्त प्रशासन का दौर शुरू हो चुका है।

इसी क्रम में जिला खनिज विभाग भी अचानक पूरी तरह सक्रिय नजर आने लगा है,विभाग द्वारा लगातार अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है, सड़कों पर वाहनों की जांच,ट्रैक्टरों की धरपकड़,रेत और गिट्टी से भरे वाहनों पर चालानी कार्रवाई और जब्ती की खबरें सामने आ रही हैं,लेकिन इन कार्रवाइयों के बीच अब जिले में एक बड़ा सवाल तेजी से उठ रहा है क्या यह वास्तविक कार्रवाई है या केवल नई कलेक्टर को सक्रियता दिखाने का प्रयास? क्योंकि जिले के लोग अच्छी तरह जानते हैं कि कोरिया में अवैध खनिज कारोबार केवल सड़क पर चलते कुछ ट्रैक्टरों तक सीमित नहीं है। यहां वर्षों से अवैध ईंट भट्ठों का संचालन हो रहा है, जंगलों में अवैध कोयला उत्खनन होता है, नदियों और नालों से रातभर रेत निकाली जाती है,लेकिन इन बड़े नेटवर्कों पर कभी वैसी कार्रवाई नहीं दिखती जैसी छोटे परिवहनकर्ताओं पर दिखाई जाती है।

राजनीतिक संरक्षण का भी आरोप

अवैध खनिज कारोबार को लेकर हमेशा राजनीतिक संरक्षण की चर्चा होती रही है,चाहे अवैध ईंट भट्ठे हों, रेत का कारोबार हो या कोयले का खेल—स्थानीय स्तर पर यह माना जाता है कि बिना राजनीतिक सहमति के इतना बड़ा नेटवर्क संचालित होना संभव नहीं है,इसी कारण पूर्व में कई अधिकारी कार्रवाई शुरू करने के बाद भी पीछे हटते नजर आए,कई बार कार्रवाई की शुरुआत हुई लेकिन कुछ समय बाद मामला ठंडा पड़ गया,इससे यह धारणा मजबूत होती गई कि जिले में अवैध खनिज कारोबार के खिलाफ स्थायी कार्रवाई करना आसान नहीं है।

नई कलेक्टर से लोगों को उम्मीद

अब जिले की नई कलेक्टर से लोगों की उम्मीदें बढ़ गई हैं। लोग चाहते हैं कि प्रशासन केवल दिखावटी कार्रवाई तक सीमित न रहे बल्कि अवैध कारोबार की जड़ तक पहुंचे,यदि वास्तव में सुशासन और पारदर्शिता लागू करनी है तो कार्रवाई केवल सड़क पर चलने वाले वाहनों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए,अवैध ईंट भट्ठों की जांच,जंगलों में चल रहे अवैध कोयला उत्खनन पर रोक,रेत माफियाओं पर सख्त कार्रवाई और विभागीय मिलीभगत की निष्पक्ष जांच—यही वह कदम होंगे जिनसे लोगों का भरोसा प्रशासन पर मजबूत हो सकता है।

खनिज विभाग की कार्रवाई पर इसलिए उठ रहे सवाल

जिले में यह चर्चा आम है कि खनिज विभाग को हर अवैध गतिविधि की जानकारी रहती है, कौन सा ईंट भट्ठा बिना अनुमति चल रहा है,कहां से अवैध कोयला निकाला जा रहा है,कौन से रास्ते से उसका परिवहन हो रहा है और किन नदियों से रात में रेत निकाली जाती है, यह सब किसी से छिपा नहीं है,फिर भी वर्षों से इन मामलों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाई, यही कारण है कि जब विभाग अचानक अवैध परिवहन के खिलाफ अभियान चलाता है, तो लोग यह पूछने लगते हैं कि आखिर वह पूरा तंत्र क्यों अछूता है जो इस अवैध कारोबार की जड़ है? लोगों का कहना है कि यदि वास्तव में खनिज विभाग ईमानदारी से कार्रवाई करना चाहता है,तो उसे सबसे पहले उन अवैध ईंट भट्ठों पर कार्रवाई करनी चाहिए जहां बड़े पैमाने पर अवैध कोयले की खपत होती है।

जिले में धड़ल्ले से चल रहे अवैध ईंट भट्ठे

कोरिया जिले के कई क्षेत्रों में अवैध ईंट भट्ठों का संचालन लंबे समय से जारी है। इनमें से कई भट्ठों के पास न तो वैध अनुमति है और न ही पर्यावरणीय नियमों का पालन किया जाता है,इन भट्ठों में जलाने के लिए बड़ी मात्रा में कोयले का उपयोग होता है, आरोप यह हैं कि इनमें इस्तेमाल होने वाला अधिकांश कोयला अवैध खदानों से निकाला जाता है,जंगलों के भीतर छोटे-छोटे गड्ढों से कोयला निकालकर उसे स्थानीय स्तर पर सप्लाई किया जाता है और फिर वही कोयला ईंट भट्ठों तक पहुंचता है, स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पूरा कारोबार बिना संरक्षण के संभव ही नहीं है।

रेत माफियाओं पर भी नहीं लग पा रही लगाम

कोरिया जिले की कई नदियां और नाले अवैध रेत उत्खनन की वजह से प्रभावित हो रहे हैं, स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि रात के समय मशीनों और ट्रैक्टरों के जरिए रेत निकाली जाती है, नियमों के अनुसार जिन स्थानों पर खनन की अनुमति नहीं है वहां भी खुलेआम उत्खनन जारी रहता है, इससे नदियों का स्वरूप बदल रहा है, जल स्तर प्रभावित हो रहा है और कई गांवों में जल संकट की स्थिति भी बनने लगी है, इसके बावजूद कार्रवाई केवल कभी-कभार की खानापूर्ति तक सीमित नजर आती है।

कार्रवाई केवल छोटे लोगों पर क्यों?

खनिज विभाग की हालिया कार्रवाई के बाद कुछ वाहन मालिकों और स्थानीय लोगों ने भी सवाल उठाए हैं,उनका कहना है कि विभाग केवल छोटे ट्रैक्टर चालकों और स्थानीय परिवहनकर्ताओं पर कार्रवाई कर अपनी उपलब्धि दिखाता है,जबकि बड़े नेटवर्कों तक पहुंचने की कोशिश नहीं करता,कुछ लोगों का यह भी कहना है कि यदि अवैध ईंट भट्ठे और अवैध कोयला कारोबार विभाग की नजर में नहीं आते,तो फिर केवल सड़क पर चलने वाले वाहनों को पकड़ना समस्या का समाधान नहीं माना जा सकता,हालांकि कई लोग यह भी मानते हैं कि अवैध परिवहन पूरी तरह गलत है और उस पर कार्रवाई होना जरूरी है,लेकिन कार्रवाई निष्पक्ष और समान रूप से होनी चाहिए।

प्रति भट्ठा तय व्यवस्था की चर्चा...

जिले में यह चर्चा लंबे समय से होती रही है कि अवैध ईंट भट्ठों और खनिज कारोबार से जुड़े लोगों से मासिक व्यवस्था के नाम पर राशि वसूली जाती है, स्थानीय स्तर पर लोग खुलकर आरोप लगाते हैं कि कई कारोबार इसलिए वर्षों से बिना रोकटोक चल रहे हैं क्योंकि उनसे जुड़े लोगों की पहुंच राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर तक होती है, यही वजह है कि छोटे मामलों में कार्रवाई होती दिखाई देती है लेकिन बड़े नेटवर्कों पर हाथ डालने से अधिकारी बचते नजर आते हैं।

जंगलों में अवैध कोयला उत्खनन बना बड़ा खतरा

कोरिया जिले के कई वन क्षेत्रों में अवैध कोयला उत्खनन की शिकायतें लंबे समय से सामने आती रही हैं, ग्रामीण क्षेत्रों में रात के समय अवैध खुदाई की गतिविधियां देखी जाती हैं, छोटे स्तर पर शुरू हुआ यह काम अब संगठित कारोबार का रूप ले चुका है, जानकार बताते हैं कि जंगलों में अवैध उत्खनन केवल राजस्व हानि का मामला नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण और सुरक्षा दोनों के लिए बड़ा खतरा है, बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के कोयला निकालने से दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है,कई बार अंदर धंसान होने की घटनाएं भी सामने आई हैं,लेकिन इन मामलों पर कभी गंभीर जांच नहीं होती।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर कलेक्टर सख्त, ऑडिटोरियम की कमियों पर जताई नाराजगी

खेल सुविधाओं,छात्रावास और सौंदर्यीकरण कार्यों का किया निरीक्षण,अधिकारियों को दिए गुणवत्ता और समयसीमा के निर्देश

-संवाददाता-

सूरजपुर,16 मई 2026 (घटती-घटना)।

जिले में अधोसंरचना विकास,गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य, खेल सुविधाओं के विस्तार और छात्रावासों में बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर ने गुरुवार को विभिन्न निर्माणाधीन एवं संचालित परियोजनाओं का निरीक्षण किया,निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने और निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा निर्मित श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऑडिटोरियम,डिस्ट्रिक्ट जज आवास और निर्माणाधीन ज्यूडिशियल क्वार्टरों का जायजा लिया,श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऑडिटोरियम भवन में पाई गई कमियों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने मरम्मत कार्य बेहतर गुणवत्ता के साथ कराने के निर्देश दिए,वहीं निर्माणाधीन ज्यूडिशियल क्वार्टरों को तय समयसीमा में पूर्ण करने को कहा।

इसके बाद कलेक्टर ने हाउसिंग बोर्ड अंतर्गत कॉलेज स्टेडियम में निर्माणाधीन सिंथेटिक ट्रैक का निरीक्षण किया,उन्होंने अधिकारियों से कहा कि खेल अधोसंरचना युवाओं के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है,इसलिए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए।

छात्रावास निर्माण में गुणवत्ता पर विशेष जोर

कॉलेज स्टेडियम परिसर में आदिवासी विकास विभाग के अंतर्गत निर्माणाधीन ओबीसी कन्या छात्रावास का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए,साथ ही नमदगिरि 250 सीटर कन्या छात्रावास में उच्च गुणवत्ता वाली निर्माण सामग्री का उपयोग सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया, ताकि छात्राओं को सुरक्षित और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

शिवपार्क और पंचमंदिर तालाब के सौंदर्यीकरण पर भी फोकस

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर शिवपार्क भी पहुंचे, जहां उन्होंने साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया, उन्होंने नगर पालिका और वन विभाग को पार्क की नियमित सफाई और निर्मित अधोसंरचना के रखरखाव के निर्देश दिए, इसके अलावा पंचमंदिर तालाब का निरीक्षण कर तालाब के सौंदर्यीकरण और आसपास के क्षेत्र को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए नगर पालिका को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा, कलेक्टर ने कहा कि जिले में गुणवत्तापूर्ण निर्माण, खेल सुविधाओं का विस्तार और छात्रावासों में बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है,ताकि नागरिकों और विद्यार्थियों को बेहतर वातावरण और सुविधाएं मिल सकें, निरीक्षण के दौरान विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यायपालिका को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने पर जोर,कहा...बेहतर अधोसंरचना से मजबूत होगी न्याय व्यवस्था

चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने किया कुटुंब न्यायालय भवन और आवासीय कॉलोनी का भूमिपूजन

-संवाददाता-

बैकुंठपुर/मनेंद्रगढ़,16 मई 2026 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के मनेंद्रगढ़ क्षेत्र को गुरुवार को न्यायिक अधोसंरचना के क्षेत्र में एक बड़ी सौगात मिली,छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने मनेंद्रगढ़ में बनने वाले कुटुंब न्यायालय भवन तथा जनकपुर में न्यायिक कर्मचारियों के लिए प्रस्तावित आवासीय कॉलोनी का वर्चुअल माध्यम से भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया, कार्यक्रम में न्यायपालिका और जिला प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि न्यायपालिका को समय के अनुरूप आधुनिक तकनीक और बेहतर अधोसंरचना से सुसज्जित करना आवश्यक है, उन्होंने कहा कि न्यायालय भवनों में अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होने से न्यायिक कार्यों में गति आएगी और आम जनता को बेहतर न्यायिक सेवाएं मिल सकेंगी,उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ न्यायपालिका लगातार अधोसंरचना विकास की दिशा में कार्य कर रही है, ताकि न्याय व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बनाया जा सके।

कुटुंब न्यायालय भवन से बढ़ेगी सुविधा

मनेंद्रगढ़ में प्रस्तावित कुटुंब न्यायालय भवन को क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है, नए भवन के निर्माण से पारिवारिक मामलों की सुनवाई के लिए बेहतर वातावरण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी, न्यायिक प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित और सुगम बनाने में भी यह भवन मददगार साबित होगा।

न्यायिक कर्मचारियों के लिए बनेगी आवासीय कॉलोनी

जनकपुर में न्यायिक कर्मचारियों के लिए आवासीय कॉलोनी का निर्माण भी इस परियोजना का अहम हिस्सा है, कार्यक्रम में कहा गया कि कर्मचारियों को बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध होने से उनके कार्य निष्पादन में सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और न्यायिक व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

वर्चुअल माध्यम से जुड़े न्यायमूर्ति पार्थ प्रतीम साहू

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं जिला कोरिया के पोर्टफोलियो न्यायाधीश न्यायमूर्ति पार्थ प्रतीम साहू भी वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए,उन्होंने न्यायिक अधोसंरचना विस्तार को समय की आवश्यकता बताते हुए इस पहल की सराहना की।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने किया स्वागत

कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश बैकुंठपुर द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया, वहीं प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय मनेंद्रगढ़ ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया, कार्यक्रम का संचालन न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी बैकुंठपुर द्वारा किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, अनुविभागीय राजस्व अधिकारी, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता सहित जिला अधिवक्ता संघ मनेंद्रगढ़ एवं बैकुंठपुर के पदाधिकारी,अधिवक्ता,न्यायिक कर्मचारी और बड़ी संख्या में पक्षकार उपस्थित रहे।

न्यायिक व्यवस्था को मिलेगा नया विस्तार

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बैकुंठपुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि न्यायपालिका के आधुनिकीकरण और अधोसंरचना विकास की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है,इससे न्यायिक कार्यों में और अधिक सुगमता आएगी तथा आम नागरिकों को बेहतर न्यायिक सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

हस्तर को चकमा देकर खजाना लूटेंगी आलिया भट्ट

सोहम शाह के साथ तुम्बाड 3 में एक्ट्रेस का लीड रोल कन्फर्म?
काफी दिनों से चर्चा थी कि आलिया भट्ट सस्पेंस थ्रिलर तुम्बाड 2 और 3 में नजर आएंगी। अब इसको लेकर नया अपडेट आया है। काफी समय से चर्चा हो रही थी कि आलिया भट्ट पीरियड हॉरर ड्रामा तुम्बाड के सीक्वल का हिस्सा बनेंगी। पहले कहा गया कि ट्रिलॉजी की दूसरी फिल्म में एक्ट्रेस का कैमियो होगा और अब फिर तीसरी फिल्म को वह लीड करेंगी। अब नए रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि यह खबर सच है। आलिया भट्ट वाकई सोहम शाह की फिल्म का हिस्सा बन रही हैं और तुम्बाड 2 के लिए उनका शूटिंग शेड्यूल भी तय हो गया है।

आलिया भट्ट तुम्बाड में मचाएंगी तहलका!

बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक,आलिया भट्ट तुम्बाड 2 में कैमियो रोल प्ले कर रही हैं। इस फिल्म में उनका छोटा रोल एक बड़ा असर छोड़ेगी जो तुम्बाड 3 से कनेक्ट करेंगी और इस फिल्म में आलिया का कोई कैमियो नहीं होगा, क्योंकि वह बतौर लीड नजर आने वाली हैं।

आलिया भट्ट का कैमियो होगा ग्रैंड

रिपोर्ट्स की मानें तो आलिया भट्ट तुम्बाड 2 में अपने कैमियो के लिए 15 दिन की शूटिंग करने वाली हैं। यह एक ऐसा किरदार है जो फिल्म की पूरी कहानी के लिए बहुत जरूरी है। इतना ही नहीं, उनका किरदार तीसरे पार्ट में भी आगे बढ़ेगा,जो 'तुम्बाड' ट्रिलॉजी का फिनाले है। इस फिल्म में आलिया के साथ सोहम शाह भी मुख्य भूमिका में दिखेंगे। वह मई के आखिर तक अपना कैमियो शूट पूरा कर लेंगी।

कब रिलीज होगी तुम्बाड 2

आदेश प्रसाद के निर्देशन में बन रही तुम्बाड 2 अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म की रिलीज डेट 3 दिसंबर 2027 को तय किया गया है। इसके बाद ही तीसरी फिल्म की तैयारी शुरू होगी। तुम्बाड 2 की कहानी पंडुरंग के इर्द-गिर्द घूमेगी। फिलहाल, आलिया या फिर मेकर्स की तरफ से फिल्म को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

आलिया भट्ट की आगामी फिल्म

आलिया भट्ट के पास इस वक्त कई बड़ी फिल्में हैं। वह संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में नजर आएंगी। इसके अलावा उनके पास स्पाई थ्रिलर अल्फा भी है जिसमें उनके साथ शरवरी हैं।

डायरेक्टर के साथ भी...अमजद खान के बेटे का कास्टिंग काउच पर खुलासा

दिवंगत एक्टर अमजद खान के बेटे शादाब खान ने बॉलीवुड के डार्क साइड का खुलासा किया है, जिसमें कास्टिंग काउच और शोषण जैसी बातें शामिल हैं। नई दिल्ली। दिवंगत एक्टर अमजद खान के बेटे शदाब खान ने इंडस्ट्री के बारे में कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। शादाब ने कहा कि हर इंडस्ट्री की तरह बॉलीवुड की भी एक डार्क साइड है लेकिन उनके पिता ने इन सभी चीजों से लड़ाई की और इस पर जीत हासिल की।

पिता ने की कई लोगों की मदद

विक्की लालवानी को दिए इंटरव्यू में शादाब ने कहा कि आज के जमाने में एक स्टार का बेटा होना सबसे बड़ा नुकसान है। शादाब खान ने कहा,समय बदल गया है। 20-30 साल पहले जो फिल्म इंडस्ट्री थी, वो अब नहीं रही। उस दौर के लोग मेरे पिता को जानते थे और समझते थे कि वो कैसे इंसान थे। आज हर कोई नेपोटिज्म, असमानता और गुटबाजी की बात करता है, लेकिन उस समय मेरे पिता ने इंडस्ट्री में आम आदमी के लिए संघर्ष किया था। एक्टर ने बताया कि उनके पिता को इसलिए सम्मान मिलता था क्योंकि उन्होंने उस समय बाहरी लोगों और कामगारों का साथ दिया जब इंडस्ट्री में कई लोग कथित तौर पर अपनी पावर दिखा रहे थे।

शोषण के खिलाफ उठाई आवाज

एक्टर ने इंडस्ट्री में हो रहे कथित शोषण पर भी बात की। उन्होंने कहा, निर्माता कामगारों की तनख्वाह रोक लेते थे। एक्ट्रेसेस को कास्टिंग काउच की ओर धकेलने की कोशिशें होती थीं। मैं नाम नहीं लूंगा, लेकिन हां, मैंने यह सब होते देखा है। शादाब ने आगे बताया कि उनके पिता सिने आर्टिस्ट्स एसोसिएशन के प्रमुख थे, वह इंडस्ट्री में शोषण का सामना कर रहे कलाकारों, कामगारों और महिलाओं की मदद करते थे। शादाब ने कहा कि ये शोषण सिर्फ एक्ट्रेसेज तक ही सीमित नहीं था। छोटे डायरेक्टर, जूनियर एक्टर्स और डेली वेज वर्कर का भी शोषण होता था। पॉवरफुल लोगों की नजर में ये सभी छोटे लोग थे। मेरे पिता का ऐसा माइंडसेट नहीं था इसलिए वो ऐसे लोगों की मदद करते थे।

मौनी रॉय ने दिशा पटानी के साथ रिश्ते की पुष्टि की? वायरल पोस्ट के पीछे की सच्चाई

मौनी रॉय और उनके पति सूरज नांबियार तलाक लेने जा रहे हैं। नेटिज़न्स इसके लिए दिशा पटानी को ट्रोल कर रहे हैं और उन्हें दोषी ठहरा रहे हैं। इसी बीच, सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हो रही है,जिसमें दिखाया गया है कि मौनी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर दिशा के साथ एक तस्वीर शेयर की और अपने रिश्ते को कन्फर्म किया,और अपनी शादी की भी घोषणा की। पोस्ट में लिखा है, ÷एक चैप्टर खत्म होने के बाद,मुझे उसमें हमेशा के लिए मिल गया। उसमें। हाँ...दिशा और मैं इस लव स्टोरी को शादी में बदलने के लिए तैयार हैं। हीलिंग से हमेशा के लिए खुशी की ओर बढ़ना अब शुरू होता है । खैर, इससे पहले कि आप सोचें कि यह मौनी का कोई असली पोस्ट है, हम साफ कर दें कि यह एक फेक पोस्ट है। इसमें इस्तेमाल की गई तस्वीर पिछले साल की है। एक्ट्रेस जून 2025 में दिशा के जन्मदिन पर इस्कॉन मंदिर गई थीं। मौनी रॉय-सूरज नांबियार डिवोर्स स्टेटमेंट पिछले कुछ दिनों से मौनी और सूरज के डिवोर्स की अफवाहें उड़ रही थीं,और गुरुवार को दोनों ने एक जॉइंट स्टेटमेंट शेयर किया,जिसमें लिखा था,हमें दुख है कि मीडिया के कुछ लोग हमारी पर्सनल लाइफ में बेवजह और दखल देने वाला ध्यान दे रहे हैं। हम यह बताना चाहते हैं कि हमने अलग होने का फैसला किया है और मामलों को प्राइवेट और आपसी सहमति से सुलझाने के लिए ज़रूरी समय ले रहे हैं।

4 बार शादी,3 बार तलाक,ऋषि कपूर के साथ डेब्यू कर रातोंरात बनी हीरोइन,अब कहां है हिना एक्ट्रेस जेबा बख्तियार?

जेबा बख्तियार को पहली ही फिल्म से रातोंरात सफलता मिली,लेकिन फिर क्यों हुआ उनका करियर फ्लॉप? अब कहां है और क्या करती हैं एक्ट्रेस?
1991 में फिल्म हिना के रिलीज होने के बाद एक्ट्रेस जेबा बख्तियार रातों-रात मशहूर हो गईं। इसमें एक्ट्रेस ने ऋषि कपूर के साथ मुख्य भूमिका निभाई थीं। रणधीर कपूर द्वारा निर्देशित इस फिल्म का बजट सिर्फ 4 करोड़ रुपये था, लेकिन इसने बॉक्स ऑफिस पर 12 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की।

सुपरहिट डेब्यू के बाद अफेयर ने बटोरी सुर्खियां

अपने शानदार डेब्यू के बाद, जिस एक्ट्रेस से बॉलीवुड की अगली सुपरस्टार बनने की उम्मीद की जा रही थी, वह दर्शकों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाईं। हिना के हिट होने के बाद जेबा बख्तियार को फिल्मों के ऑफर मिलने लगे। ज़ेबा बख्तियार रातों-रात स्टार बन गईं। जैसे ही ज़ेबा बख्तियार को शोहरत मिली, वह अपनी लव लाइफ को लेकर सुर्खियों में आने लगीं।
1994 में, उन्होंने फिल्म मोहब्बत की आरजू में एक बार फिर ऋषि कपूर के साथ जोड़ी

बनाई। फिल्मों में आने से पहले,इस एक्ट्रेस ने सलीम वलियानी नाम के एक व्यक्ति से शादी कर ली थी। उनकी शादी 1985 में हुई थी। यह शादी ज्यादा दिनों तक नहीं चली और अगले ही साल इस जोड़े ने तलाक के लिए अर्जी दे दी।

जावेद जाफरी से की थी शादी

बॉलीवुड में अपने समय के दौरान,ज़ेबा बख्तियार की दोस्ती एक्टर जावेद जाफरी से हो गई। उनकी दोस्ती जल्द ही प्यार में बदल गई। जावेद और ज़ेबा ने 1989 में गुपचुप तरीके से शादी कर ली। यह जेबा की दूसरी शादी थी। हालांकि,यह शादी भी ज्यादा समय तक नहीं चली। इस जोड़ी ने 1990 में अपनी शादी तोड़ने का फैसला कर लिया। अदनान सामी से शादी और फिर तलाक इसके बाद,ज़ेबा को तीसरी बार प्यार हुआ, और इस बार उन्हें पाकिस्तानी सिंगर अदनान सामी से प्यार हुआ। दोनों ने 1995 में रिलीज हुई फिल्म सरगम में साथ काम किया था। कुछ साल तक रिलेशनशिप में रहने के बाद, ज़ेबा ने 1993 में तीसरी बार अदनान सामी से शादी कर ली। यह शादी उनकी पिछली दो शादियों से ज्यादा समय तक चली। यह शादी चार साल बाद खत्म हो गई। इस जोड़ी का 1997 में तलाक हो गया।ज़ेबा का शानदार करियर सिर्फ सात फिल्मों तक ही सीमित रहा। रातों-रात स्टार बनने वाली जेबा ने अपनी पहली फिल्म के बाद लगातार कई फ्लॉप फिल्में दीं। उनकी आखिरी फिल्म एक पाकिस्तानी फिल्म थी, जिसका नाम बिन रोये था। यह फिल्म 2015 में रिलीज हुई थी। जेबा बख्तियार अभी सोहेल लगारी नाम के एक व्यक्ति से शादीशुदा हैं। उनकी शादी 2008 में हुई थी।

अब कहां है जेबा?

जेबा बख्तियार फिलहाल पाकिस्तान के कराची शहर में रहती हैं,जहां वे पाकिस्तानी टेलीविजन इंडस्ट्री में एक अभिनेत्री, निर्देशक और निर्माता के तौर पर सक्रिय हैं। अपने मनोरंजन करियर के अलावा, वे समाज सेवा के कामों में भी पूरी तरह से जुटी हुई हैं; वे डायबिटीज़ के प्रति जागरूकता फैलाने वाले अभियानों में हिस्सा लेती हैं और कराची स्थित दिया वीमेन्स फुटबॉल क्लब की चेयरपर्सन के तौर पर भी अपनी सेवाएं दे रही हैं।

हिना के बारे में...

हिना 1991 की एक भारतीय म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा फिल्म है,जिसे ख्वाजा अहमद अब्बास ने लिखा था और रणधीर कपूर ने प्रोड्यूस और डायरेक्ट किया था। इसमें ऋषि कपूर के साथ-साथ पाकिस्तानी एक्ट्रेस जेबा बख्तियार ने टाइटल रोल में और अश्विनी भावे ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इस फिल्म की योजना डायरेक्टर राज कपूर ने बनाई थी और उन्होंने ही इसे शुरू भी किया था, लेकिन शूटिंग से पहले ही उनकी मौत हो जाने के कारण, इसे उनके सबसे बड़े बेटे रणधीर ने पूरा किया।

आरती रवि ने अपने परिवार पर लगाया काला जादू,रवि मोहन का खुलासा

तमिल एक्टर रवि मोहन एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ में हो रहे डेवलपमेंट की वजह से मीडिया के अटेंशन का सेंटर बन गए हैं। इससे पहले,सिंगर केनीशा फ्रांसिस के साथ उनके रिलेशनशिप को लेकर नए अंदाज़े लगाए जा रहे थे। केनीशा के इमोशनल सोशल मीडिया पोस्ट के बाद ऑनलाइन ब्रेकअप की अफवाहें फैलने के बाद टेंशन की खबरें सामने आईं,जिससे लोगों में फिर से उत्सुकता पैदा हो गई। शनिवार (16 मई) को, एक्टर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया से बात की, जहाँ उन्होंने कहा कि जब तक उनके डिवोर्स की प्रोसीडिंग्स पूरी नहीं हो जाती,तब तक वह एक्टिंग से ब्रेक ले रहे हैं। उन्होंने अपनी अलग रह रही पत्नी आरती रवि से अपने चल रहे सेपरेशन के बारे में भी बात की,इमोशनल परेशानी के बारे में गंभीर आरोप लगाए और दावा किया कि डिवोर्स प्रोसेस के दौरान उनके परिवार की वजह से उन्हें मेंटल प्रेशर का सामना करना पड़ा। इमोशनल होकर, रवि ने यह भी बताया कि उन्होंने खुद को नुकसान पहुँचाया था और बोलते समय अपनी कलाई की ओर भी इशारा किया था। उन्होंने कहा, वे मुझे मेरे बेटों से मिलने नहीं दे रहे हैं। मेरे बेटों की मदद बॉडीगार्ड कर रहे हैं। मैंने अपने माता-पिता की मर्ज़ी के खिलाफ शादी की। अब मैं इसकी कीमत चुका रहा हूँ। असल में, मैंने अपनी कलाई काट ली और फिर भी अगले दिन शूट पर आ गया। यह मेरा कमिटमेंट था। मुझे खून की उल्टियाँ हो रही हैं अपने ब्रेकअप को कन्फर्म करते हुए, रवि ने कहा कि उन्होंने केनीशा को साइबरबुलिंग की वजह से खो दिया।

खेल समाचार

आईसीसी की तिमाही बैठक भारत में

नई दिल्ली,16 मई 2026। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने अपनी आगामी तिमाही बैठक भारत में आयोजित करने का फैसला किया है। यह महत्वपूर्ण बैठक पहले अप्रैल और मई में दोहा में प्रस्तावित थी,लेकिन पश्चिम एशिया में जारी तनाव और क्षेत्रीय हालात को देखते हुए इसका स्थान बदलकर भारत कर दिया गया है। सूत्रों के अनुसार,आईसीसी की एग्जीक्यूटिव कमिटी की एक वर्चुअल बैठक 21 मई को आयोजित की जाएगी,जिसमें शुरुआती एजेंडे और प्रशासनिक मुद्दों पर चर्चा होगी। इसके बाद सभी संबंधित अधिकारी भौतिक रूप से भारत में होने वाली मुख्य बैठक में हिस्सा लेंगे। यह मुख्य बैठक 30 और 31 मई को अहमदाबाद में होने की संभावना है,जो आईपीएल फाइनल के साथ ही आयोजित की जा सकती है। ऐसे में यह क्रिकेट प्रशासन के लिए एक महत्वपूर्ण सप्ताह माना जा रहा है,जहां खेल से जुड़े कई अहम निर्णय लिए जा सकते हैं। आईसीसी द्वारा स्थान परिवर्तन के बाद यह भी चर्चा में है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष की बैठक में भागीदारी को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। आईपीएल चेयरमैन का बैठक में शामिल होना पहले तय माना जा रहा था,लेकिन अब भारत में बैठक होने के कारण उनके व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने की संभावना कम बताई जा रही है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा राजनीतिक और कूटनीतिक परिस्थितियों के चलते उनकी यात्रा पर संशय बना हुआ है। इसी कारण यह भी स्पष्ट नहीं है कि वे बैठक में प्रत्यक्ष रूप से शामिल होंगे या नहीं। हालांकि,आईसीसी की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है,लेकिन माना जा रहा है कि बैठक में शामिल होने वाले कई सदस्य ऑनलाइन माध्यम से भी जुड़ सकते हैं। यह बैठक इसलिए भी अहम मानी जा रही है क्योंकि इसमें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से जुड़े कई प्रशासनिक और नीतिगत मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है, साथ ही आने वाले टूर्नामेंट्स की रूपरेखा पर भी निर्णय लिए जा सकते हैं।

अफगानिस्तान से भिड़ेगी टीम इंडिया

अफगानिस्तान के खिलाफ 6 जून से शुरू होने वाली घरेलू सीरीज के लिए 19 मई को भारतीय टीम चुनी जाएगी...बुमराह को आराम मिलना तय है,जबकि आईपीएल के युवा सितारों के साथ शुभमन गिल टीम की कप्तानी संभालते नजर आ सकते हैं...

नई दिल्ली,16 मई 2026। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का रोमांच इस समय अपने चरम पर है,जिसका फाइनल मुकाबला 31 मई को खेला जाना है। इस टूर्नामेंट के ठीक छह दिन बाद भारतीय टीम अपने घरेलू मैदान पर अफगानिस्तान की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। इस दौरे पर दोनों टीमों के बीच एकमात्र टेस्ट और तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, इस सीरीज के लिए भारतीय टीम का चयन 19 मई को होने वाली सिलेक्शन कमेटी की बैठक में किया जाएगा और पूरी उम्मीद है कि उसी दिन टीम की आधिकारिक घोषणा भी कर दी जाएगी।

न्यू चंडीगढ़ में टेस्ट और धर्मशाला से होगा वनडे सीरीज का आगाज

अफगानिस्तान के इस भारत दौरे की शुरुआत 6 जून से न्यू चंडीगढ़ के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से होगी। ध्यान देने वाली बात यह है कि यह टेस्ट मैच आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा चक्र का हिस्सा नहीं होगा, जिससे खिलाड़ियों पर इस फॉर्मेट का अतिरिक्त दबाव नहीं रहेगा। टेस्ट मैच के बाद 14 जून से तीन मैचों की वनडे सीरीज का बिगुल फूकेगा, जिसका पहला मुकाबला धर्मशाला के खूबसूरत एचपीसीए स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद सीरीज के बाकी दो वनडे मैच क्रमशः लखनऊ के इकाना स्टेडियम और चेन्नई के ऐतिहासिक चेपॉक स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे।

जसप्रीत बुमराह को आराम और शुभमन गिल के हाथों में होगी टीम की कमान

लगातार क्रिकेट खेल रहे सीनियर खिलाड़ियों को इस सीरीज में वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया जाना तय माना जा रहा है। पिछले कुछ समय से लगातार मैच खेल रहे स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इस घरेलू सीरीज, विशेषकर वनडे मैचों से बोर्ड द्वारा ब्रेक दिया जा सकता है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के मद्देनजर सीनियर खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में युवा और प्रतिभाशाली बल्लेबाज शुभमन गिल को इस सीरीज के लिए कप्तानी का बड़ा जिम्मा सौंपा जा सकता है। इसके साथ ही,आईपीएल 2026 में अपने उम्दा प्रदर्शन से सभी को प्रभावित करने वाले कई नए और युवा चेहरों को बीसीसीआई इस सीरीज के जरिए इंटरनेशनल मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा मौका दे सकती है।

सब-जूनियर हॉकी कैंप में विवाद : यौन शोषण के आरोपों के बीच स्टाफ मेंबर को हटाया गया

नई दिल्ली,16 मई 2026। हॉकी इंडिया में एक और विवाद सामने आया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इंडियन मेन्स सब-जूनियर टीम के कोचिंग स्टाफ के एक मेंबर को सेक्सुअल मिसकंडक्ट के आरोपों के बाद भोपाल में चल रहे नेशनल कैंप से हटा दिया गया है। यह घटना उसी दिन हुई जब इंडिया की -18 टीम भोपाल में अपने होम ग्राउंड पर ऑस्ट्रेलिया के साथ खेलने वाली थी। सपोर्ट स्टाफ मेंबर सुधीर गोला को कथित तौर पर रांची के मोराबादी में एकलव्य बॉयज़ एंड गर्ल्स हॉकी ट्रेनिंग सेंटर से उनके खिलाफ शिकायतें सामने आने के बाद जाने के लिए कहा गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, झारखंड के स्पोर्ट्स एंड यूथ अफेयर्स डायरेक्टरेट में शिकायत दर्ज की गई थी। गोला के खिलाफ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में उनके समय के दौरान ड्यूटी में लापरवाही और सेक्सुअल मिसकंडक्ट के आरोप लगाए गए थे। 11 मई के एक ऑफिशियल ऑर्डर, जिसकी एक कॉपी द ट्रिब्यून को मिली, ने कन्फर्म किया कि गोला को रांची में उनके पद से पहले ही हटा दिया गया था। सेंटर में उनकी ज़िम्मेदारियों को संभालने के लिए एक महिला कोच को अपॉइंट किया गया है। यह घटना छह महीने से कुछ ज़्यादा समय में इंडियन हॉकी में सेफगार्डिंग से जुड़ी चौथी बड़ी चिंता है। नवंबर 2025 में, चिली के सैंटियागो में एफआईएच हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप 2025 से कुछ दिन पहले यौन शोषण के आरोप सामने आने के बाद एक जूनियर महिला हॉकी कोच का कॉन्ट्रैक्ट रिन्यू नहीं किया गया था। एक महीने बाद, सीनियर महिला टीम के कोच हरेंद्र सिंह ने इस्तीफा दे दिया, जब नेशनल टीम के सदस्यों ने कथित तौर पर खेल मंत्रालय को पत्र लिखकर उन पर गलत व्यवहार का आरोप लगाया और उनकी कोचिंग स्किल्स पर सवाल उठाए।

अरुणदेव बने छत्तीसगढ़ के स्थायी डीजीपी

सीएस ने जारी किया आदेश,17 महीने बाद प्रभारी से मिली फुल-टाइम कमान

रायपुर,16 मई 2026। आईपीएस अरुणदेव गौतम को छत्तीसगढ़ का स्थायी (फुल-टाइम) पुलिस महानिदेशक बनाया गया है। गृह विभाग की प्रमुख सचिव निहारिका बारिक सिंह ने 16 मई को इसका आदेश जारी किया। सरकार ने 17 महीने पहले उन्हें प्रभारी डीजीपी की जिम्मेदारी दी थी।

संयुक्त राष्ट्रपदक विजेता हैं आईपीएस गौतम

अरुण देव गौतम को संयुक्त राष्ट्र पदक के अलावा सराहनी सेवाओं के लिए 2010 में भारतीय पुलिस पदक और 2018 में विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया जा चुका है। साल 2002 में संघर्षग्रस्त कोसोवा में सेवा देने के लिए अरुण देव गौतम को संयुक्त राष्ट्र पदक भी मिला था।

अरुण देव गौतम का प्रोफेशनल करियर

अरुण देव गौतम मूलतः उत्तरप्रदेश के कानपुर के रहने वाले है। एमए, एमफिल की डिग्री लेने के बाद यूपीएससी क्रैक कर आईपीएस बने है। उन्हें राष्ट्रपति पुलिस पदक, भारतीय पुलिस पदक और संयुक्त राष्ट्र पुलिस पदक भी मिल चुका है। उनका जन्म 2 जुलाई 1967 को कानपुर के पास स्थित उनके गांव अभयपुर में हुआ है। उन्होंने अपनी प्राइमरी स्कूली शिक्षा अपने गांव के ही सरकारी स्कूल से की। फिर 10वीं और 12वीं उन्होंने राजकीय इंटर कॉलेज इलाहाबाद से पूरी की। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से आर्टस लेकर बीए किया। राजनीति शास्त्र में एमए किया। इसके बाद जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी नई दिल्ली से अंतरराष्ट्रीय कानून में एमफिल की डिग्री हासिल की। अरुण देव गौतम यूपीएससी निकालकर 1992 बैच के आईपीएस बने। 12 अक्टूबर 1992 को उन्होंने आईपीएस की सर्विस जॉइन की। उन्हें पहले मध्यप्रदेश कैडर एलॉट हुआ था। प्रशिक्षु आईपीएस के तौर पर उनकी जबलपुर में पोस्टिंग हुई। फिर वे बिलासपुर जिले में सीएसपी बने। आईजी के पद पर प्रमोशन होने के बाद छत्तीसगढ़ आर्म्ड फोर्स के प्रभार में रहे। फिर बिलासपुर रेंज के आईजी बने। अरुण देव बिलासपुर जिले के एसपी भी रह चुके थे। झीरम नक्सली हमले में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की मौत के बाद अरुण देव गौतम को बस्तर आईजी बना कर भेजा गया। 25 मई 2013 को झीरम कांड हुआ था। इसके कुछ ही माह बाद नवंबर-दिसंबर को विधानसभा चुनाव हुए। तब सफलतापूर्वक चुनाव करवाने में अरुण देव गौतम की भूमिका रही और वोटिंग प्रतिशत में भी काफी इजाफा हुआ। वे रेलवे, प्रशिक्षण, भर्ती और यातायात शाखाओं के प्रभारी पुलिस महानिरीक्षक रहें। पिछले कुछ सालों से वे छत्तीसगढ़ के गृह सचिव के अलावा जेल और परिवहन विभाग का भी दायित्व संभाल रहे हैं। इसके अलावा उन्हें नगर सेना, अग्निशमन सेवाओं का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। बता दें कि,सुप्रीम कोर्ट का 2006 का फैसला राज्य डीजीपी नियुक्तियों के लिए मार्गदर्शक ढांचे के रूप में काम करना जारी रखता है। न्यायालय ने आदेश दिया कि राज्य सरकारें संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा सूचीबद्ध 3 सबसे वरिष्ठ अधिकारियों में से अपने डीजीपी का चयन करें। चयनित अधिकारी को अपनी सेवानिवृत्ति तिथि की परवाह किए बिना कम से कम दो साल का कार्यकाल पूरा करना होगा।

6 जिलों के रह चुके हैं एसपी

बिलासपुर के बाद एसडीओपी कवर्धा बने। कवर्धा के बाद एडिशनल एसपी भोपाल बने। मध्य प्रदेश पुलिस की 23वीं बटालियन के कमांडेंट भी रहे। एसपी के रूप में पहला जिला उन्हें भोपाल का मिला। 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य बनने पर अरुण देव गौतम ने छत्तीसगढ़ कैडर चुन लिया। छत्तीसगढ़ में वे कोरिया, रायगढ़, जशपुर, राजनंदगांव, सरगुजा और बिलासपुर जिले के एसपी रहे। डीआईजी बनने के बाद वे पुलिस हेडक्वाटर, सीआईडी, वित्त और योजना,प्रशासन और मुख्यमंत्री सुरक्षा के महत्वपूर्ण विभागों में पदस्थ रहे। चुनौती पूर्ण जिलों में अरुण देव गौतम को भेजा जाता था। वर्ष 2009 में राजनांदगांव में नक्सली हमले में 29 पुलिसकर्मियों और पुलिस अधीक्षक के शहीद होने के बाद अरुण देव गौतम को वहां का एसपी बन कर भेजा गया।

छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस की कार्यकारिणी भंग की गई

रायपुर,16 मई 2026। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने छत्तीसगढ़ प्रदेश महिला कांग्रेस की पूरी कार्यकारिणी को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है। इस संबंध में शनिवार को आदेश जारी किया गया। यह कहा गया कि प्रदेश महिला कांग्रेस की वर्तमान कार्यकारिणी को प्रदेश, जिला, ब्लॉक और बूथ स्तर तक तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया गया है। संगठन को अधिक सक्रिय, मजबूत और प्रभावशाली बनाने के उद्देश्य से व्यापक संगठनात्मक पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरू की गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने स्पष्ट किया है कि नई नियुक्तियों में सक्रियता, सदस्यता अभियान में योगदान, जनसंपर्क, संघर्षशील भूमिका और संगठन के प्रति समर्पण को आधार बनाया जाएगा। साथ ही सभी नियुक्तियां और संगठनात्मक जिम्मेदारियां केवल अखिल भारतीय महिला कांग्रेस द्वारा व्यापक चर्चा और सर्वसम्मति के बाद घोषित की जाएंगी। आदेश की प्रतिलिपि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, सचिन पायलट, भूपेश बघेल, टी.एस. सिंह देव, दीपक बैज, डॉ. चरण दास महंत सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और प्रदेश महिला कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष संगीता सिन्हा को भेजी गई है।

आम आदमी पार्टी नेता रेप केस में गिरफ्तार,बीजापुर पुलिस की कार्रवाई

बीजापुर,16 मई 2026। पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में आम आदमी पार्टी के नेता एवं जिलाध्यक्ष सतीश मंडावी को गिरफ्तार किया है, जिसने न सिर्फ वोटर आईडी कार्ड देने के बहाने युवती को अपने हवस का शिकार बनाया था बल्कि उसे जान से मारने की धमकी भी दी थी। यह पूरा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। पीड़िता ने थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि आरोपी सतीश मंडावी ने उसे वोटर आईडी कार्ड देने के बहाने अटल आवास स्थित अपने आवास पर बुलाया और उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं इस घटना की जानकारी किसी को देने पर जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद पीड़िता सखी सेंटर पहुंची और अपने साथ हुई आपबीती बया की। इसके बाद उसने सखी सेंटर के माध्यम से थाना कोतवाली पहुंचकर आरोपी सतीश माड़वी के खिलाफ जबरन दुष्कर्म करने के सबंध में लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई। पीड़िता की शिकायत पर थाना कोतवाली बीजापुर ने आरोपी सतीश माड़वी के खिलाफ धारा 64(1), 64(2)(द्ध), 351(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह कल रायपुर आयेंगे,कई कार्यक्रमों में होंगे शामिल

रायपुर,16 मई 2026। केंद्रीय गृहमंत्री आज राजधानी रायपुर पहुंचेंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार वे रायपुर एयरपोर्ट से सीधे नवा रायपुर स्थित होटल जाएंगे,जहां रात्रि विश्राम करेंगे। 18 मई की सुबह 10:30 बजे गृहमंत्री अमित शाह राजधानी के पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। यहां वे डायल 112 सेवा के लिए शामिल किए गए नए वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। दोपहर 12:20 बजे केंद्रीय गृहमंत्री शाह रायपुर से जगदलपुर रवाना होंगे। जगदलपुर पहुंचने के बाद वे नेतानार में जनसुविधा केंद्र का शुभारंभ करेंगे। शाम को जगदलपुर में पुलिस विभाग द्वारा आयोजित लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। गृहमंत्री शाह 18 मई की रात जगदलपुर में ही रात्रि विश्राम करेंगे। 19 मई को सुबह 11 बजे से जगदलपुर में आयोजित मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह हिस्सा लेंगे। बैठक के बाद उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस भी प्रस्तावित है। दौरे के अंतिम दिन दोपहर करीब 03:40 बजे गृहमंत्री शाह जगदलपुर से दिल्ली के लिए रवाना होंगे। गृहमंत्री के दौरे को लेकर रायपुर और जगदलपुर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। प्रशासन और पुलिस विभाग कार्यक्रमों की तैयारियों में जुटा हुआ है।

एनएचएम कर्मचारी की सेवा समाप्ति पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक, बिना सुनवाई कार्रवाई को बताया गलत

बिलासपुर,16 मई 2026। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत कार्यरत एकाउंटेंट हरनारायण कुम्भकार की सेवा समाप्ति के आदेश को निरस्त कर दिया है। जस्टिस बी.डी. गुरु की एकलपीठ ने सुनवाई करते हुए कहा कि बिना कारण बताओ नोटिस और सुनवाई का अवसर दिए सेवा समाप्त करना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है। जानकारी के अनुसार, याचिकाकर्ता हरनारायण कुम्भकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, जिला कोरबा में एकाउंटेंट के पद पर कार्यरत थे। उनकी सेवाएं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, कोरबा द्वारा 06.05.2026 को समाप्त कर दी गई थी।

रायगढ़ में महिला वकील की बेरहमी से हत्या

चाकू से काटा-गला,पत्थर से चेहरा कुचला,2 साल का अफेयर

रायगढ़,16 मई 2026। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक मजदूर ने महिला वकील का गला काटकर मर्डर कर दिया। दोनों के बीच 2 साल से अफेयर था। लोकनाथ पटेल (30) शादीशुदा था। आराधना सिदार (30) जिला कोर्ट में जूनियर वकील थी। दोनों की सोशल मीडिया पर हुई दोस्ती धीरे धीरे प्यार में बदल गई थी। जब आराधना ने शादी करने की जिद् की तो परेशान होकर आरोपी ने उसे मारने की प्लानिंग की। वह दुकान से सब्जी काटने का चाकू खरीद लाया। 10 मई की सुबह उसे तुमीडीह जंगल ले गया। यहां उसे गला दबाकर बेसुध किया, फिर पहचान मिटाने पत्थर से चेहरा कुचला,तब भी उसकी सांसें चल रही थी। पुलिस को गुमराह करने उसने युवती के कपड़े उतारे। फिर चाकू से गला काट दिया। 2 दिन बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला पूंजीपथरा थाना क्षेत्र का है। 12 मई को तुमीडीह डैम किनारे जंगल में युवती की लाश अर्धनग्न हालत में मिली थी। पुलिस इस मामले में तब से आरोपी की तलाश कर रही थी। 16 मई को उसे गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि आरोपी लोकनाथ पटेल (30) चारपारा का रहने वाला है। साल 2024 में उसकी पहचान लैलूंगा की रहने वाली आराधना सिदार से हुई थी। वह रागयढ़ जिला अधिवक्ता संघ की सदस्य भी थी। दोनों के बीच मोबाइल पर बातचीत शुरू हुई और बाद में प्रेम संबंध बन गया। आराधना अब शादी करने की जिद् करती थी,जबकि उसे पता था कि लोकनाथ शादीशुदा है। समझाने पर नहीं मानी तो आरोपी उसे रास्ते से हटाना चाहता था।

दोनों घूमने के बाद होटल में ठहरे

9 मई की रात दोनों की फोन पर बात हुई थी, जिसके बाद 10 मई की सुबह लोकनाथ उससे मिलने पंजरी प्लांट पहुंचा। वहां से आराधना को लेकर सक्ति की ओर निकल गया। दोनों दमाउधारा मंदिर घूमने गए और शाम करीब 4:30 बजे वापस लौटे। इसके बाद आरोपी ने एक ठेले से खाना पैक कराया और शक्ति थाना के पास स्थित गुप्ता लॉज में कमरा लिया।

होटल में नाम बदलकर पति पत्नी एंट्री करवाई

लॉज के रजिस्टर में उसने अपना और आराधना का नाम बदलकर पति-पत्नी के रूप में दर्ज कराया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि दोनों के बीच शादी की बात को लेकर पहले से विवाद चलता था। उसी रात लॉज में भी इसी बात पर झगड़ा हुआ था।

रायपुर में 5 करोड़ 65 लाख के मादक पदार्थ पुलिस ने किए नष्ट

रायपुर,16 मई 2026। पुलिस कमिश्नर डॉ संजीव शुक्ला के मार्गदर्शन में रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के सेंट्रल जोन अंतर्गत नशे के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई एवं नशामुक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से जिला स्तरीय औषधि निपटान समिति द्वारा आज M/S SMS Watergrace Enviroprotect Private Limited, सिलतरा रायपुर में जप्त मादक पदार्थों के विधिवत नष्टीकरण की कार्यवाही संपादित की गई। उक्त कार्यवाही पुलिस उपायुक्त (मध्य जोन) आईपीएस उमेश प्रसाद गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (मध्य जोन) तारकेश्वर पटेल एवं जिला आबकारी अधिकारी राजेश कुमार शर्मा भी उपस्थित रहे। मध्य जोन के विभिन्न थानों में दर्ज कुल 97 प्रकरणों में जप्त मादक पदार्थों का निर्धारित वैधानिक प्रक्रिया के अनुरूप सत्यापन उपरांत विधिवत नष्टीकरण किया गया। संपूर्ण नष्टीकरण कार्यवाही से पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति, एनओसी एवं अन्य आवश्यक वैधानिक औपचारिकताओं की प्रक्रिया पूर्व में पूर्ण कर ली गई थी। संपूर्ण कार्यवाही विधिसम्मत तरीके से, सुरक्षा मानकों एवं पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप संपादित की गई तथा आवश्यक दस्तावेजीकरण एवं वीडियोग्राफी की कार्यवाही भी सुनिश्चित की गई। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के सेंट्रल जोन द्वारा संपादित यह नष्टीकरण कार्यवाही नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान की बहुआयामी रणनीति को प्रदर्शित करती है।

छत्तीसगढ़ आएंगे राहुल-गांधी

चंपारण में 10 दिन का कांग्रेस प्रशिक्षण-शिविर,ओडिशा के जिलाध्यक्ष भी होंगे शामिल,बूथ स्तर तक मजबूती की तैयारी

रायपुर,16 मई 2026। छत्तीसगढ़ कांग्रेस अब संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की तैयारी में जुट गई है। इस बीच जून में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का छत्तीसगढ़ दौरा प्रस्तावित है। करीब ढाई साल बाद राहुल गांधी छत्तीसगढ़ आएंगे। इससे पहले उनका आखिरी दौरा सितंबर 2023 में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान हुआ था। कांग्रेस का बड़ा प्रशिक्षण शिविर 21 जून से 30 जून तक आयोजित हो सकता है। रायपुर के चंपारण में शिविर लगाए जाने की चर्चा है। जिसमें छत्तीसगढ़ के साथ ही ओडिशा के जिला कांग्रेस अध्यक्ष भी शामिल होंगे। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रस्ताव भेज दिया है।

अब राहुल गांधी के कार्यालय से जवाब का इंतजार है। कांग्रेस संगठन इसे आगामी चुनावों की तैयारी और जमीनी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में अहम कार्यक्रम मान रहा है। हाल ही में नियुक्त किए गए 41 जिला कांग्रेस अध्यक्षों को इस शिविर में विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। संगठन की कार्यप्रणाली, बूथ मैनेजमेंट, जनसंपर्क और चुनावी रणनीति पर वरिष्ठ नेता मार्गदर्शन देंगे।

छत्तीसगढ़ में 'सरपंच पति' राज खत्म,अब पंचायतों में नहीं चलेगी रिश्तेदारों की मनमानी

रायपुर,16 मई 2026। छत्तीसगढ़ में लंबे समय से चल रही 'सरपंच पति' व्यवस्था पर अब पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने बड़ा प्रहार किया है। विभाग ने साफ कर दिया है कि महिला जनप्रतिनिधियों की जगह अब कोई पति, रिश्तेदार या प्रतिनिधि पंचायत बैठकों में शामिल नहीं हो सकेगा। आदेश के मुताबिक महिला सरपंचों और जनपद सदस्यों की मौजूदगी अनिवार्य होगी। जरूरत पड़ने पर फेस रिकॉग्निशन और बायोमीट्रिक अटेंडेंस से सत्यापन किया जाएगा।

महिला प्रतिनिधियों की जगह अब नहीं बैठेंगे रिश्तेदार : राज्य सरकार को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि कई पंचायतों में निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों की जगह उनके पति या परिवार के लोग फैसले ले रहे हैं। बैठकों में दस्तखत से लेकर योजनाओं के संचालन तक में बाहरी दखल देखा गया। अब विभाग ने इस पर सख्त रुख अपनाया है। निर्देश में कहा गया है कि पंचायतों में महिलाओं को दिया गया आरक्षण केवल कागजी व्यवस्था नहीं है। सरकार चाहती है कि महिलाएं खुद निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा बनें। गांव की सड़क, पानी, राशन और विकास योजनाओं पर अंतिम राय निर्वाचित प्रतिनिधि की ही हो। पंचायत विभाग ने जिला और जनपद स्तर के अधिकारियों को निर्देश भेजे हैं कि बैठकों की उपस्थिति रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाए। कई जगहों पर डिजिटल उपस्थिति प्रणाली लागू करने की तैयारी है। अधिकारियों का कहना है कि बायोमीट्रिक अटेंडेंस और फेस रिकॉग्निशन सिस्टम से फर्जी उपस्थिति पर रोक लगेगी। गांवों में अक्सर यह देखा गया कि महिला सरपंच का नाम आगे रहता था, लेकिन बैठकों में फैसले कोई और लेता था। इस बार सरकार ने सीधे उसी व्यवस्था पर चोट की है। पंचायत भवनों में अब माहौल बदलने की चर्चा शुरू हो गई है। राजनीतिक जानकार मानते हैं कि इस फैसले का असर सिर्फ बैठकों तक सीमित नहीं रहेगा। इससे पंचायत स्तर पर महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ेगा। कई महिला प्रतिनिधि अब खुद अधिकारियों से संवाद करेंगी और योजनाओं की निगरानी संभालेंगी। रायपुर के एक पंचायत अधिकारी ने बताया कि कई बार बैठकों में महिला प्रतिनिधि दिखाई ही नहीं देती थीं। पूरा संचालन उनके पति संभालते थे। 'अब नियम साफ है।

छत्तीसगढ़ सरकार ने खर्चों पर कसा शिकंजा...

मितव्ययिता और वित्तीय अनुशासन के लिए नए निर्देश जारी

रायपुर,16 मई 2026। छत्तीसगढ़ शासन ने वित्तीय संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और सरकारी खर्चों में अनुशासन लाने के उद्देश्य से बड़ा कदम उठाया है। वित्त विभाग द्वारा जारी वित्त निर्देश 14/2026 के तहत राज्यभर में शासकीय व्यय में मितव्ययिता लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। जारी आदेश में सभी विभागों,संभागीय आयुक्तों, कलेक्टरों और विभागाध्यक्षों को तत्काल प्रभाव से इन निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने कहा गया है। यह निर्देश 30 सितंबर 2026 तक प्रभावी रहेंगे। वित्त विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव द्वारा जारी आदेश में सरकारी वाहनों के उपयोग, ईंधन खर्च, विदेश यात्राओं,बैठकों और कार्यालयीन कार्यप्रणाली में बड़े बदलाव किए गए हैं। शासन का उद्देश्य अनावश्यक खर्चों में कमी लाकर वित्तीय अनुशासन को मजबूत करना बताया गया है।

कारकेड में केवल जरूरी वाहनों का उपयोग

राज्य शासन ने मुख्यमंत्री,मंत्रीगण तथा निगम,मंडल और आयोगों के पदाधिकारियों के कारकेड में वाहनों की संख्या सीमित करने के निर्देश दिए हैं। आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि केवल अत्यावश्यक वाहनों का ही उपयोग किया जाए तथा अन्य शासकीय संसाधनों का संयमित इस्तेमाल सुनिश्चित किया जाए। इससे अनावश्यक ईंधन और रखरखाव खर्च में कमी आने की उम्मीद जताई जा रही है।

सरकारी वाहनों को चरणबद्ध तरीके से बनाया जाएगा इलेक्ट्रिक

वित्त विभाग ने पर्यावरण संरक्षण और ईंधन खर्च कम करने के उद्देश्य से सभी शासकीय वाहनों को चरणबद्ध तरीके से इलेक्ट्रिक वाहनों में परिवर्तित करने के निर्देश दिए हैं। विभागों को इसके लिए आवश्यक कार्यवाही जल्द शुरू करने कहा गया है। शासन का मानना है कि इससे दीर्घकाल में सरकारी खर्च में कमी आएगी और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा।

ऊर्जा बचत और ई-ऑफिस पर जोर : कार्यालयों में ऊर्जा बचत को लेकर भी सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। कार्यालय समय समाप्त होने के बाद सभी लाइट, पंखे, एसी और कंप्यूटर बंद करना अनिवार्य किया गया है। वहीं बैठकों में प्रिंटेड दस्तावेजों के बजाय पीडीएफ और पीपीटी जैसे डिजिटल माध्यमों के उपयोग पर जोर दिया गया है। ई-ऑफिस प्रणाली के जरिए पत्राचार और फाइल संचालन अनिवार्य करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि कागज और स्टेशनरी खर्च में कमी लाई जा सके।

वाहन पूलिंग और ईंधन खर्च में कटौती

सरकार ने पेट्रोल और डीजल के खर्च को न्यूनतम रखने के निर्देश जारी किए हैं। एक ही गंतव्य की ओर जाने वाले विभिन्न विभागों के अधिकारियों के लिए वाहन पूलिंग व्यवस्था लागू करने कहा गया है। इससे वाहनों की संख्या कम होगी और ईंधन की बचत संभव हो सकेगी।

विदेश यात्राओं पर सख्ती

वित्त विभाग ने सरकारी खर्च पर होने वाली विदेश यात्राओं पर लगभग पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। आदेश के अनुसार केवल अत्यंत अपरिहार्य परिस्थितियों में ही विदेश यात्रा की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए मुख्यमंत्री का पूर्व अनुमोदन लेना अनिवार्य होगा। शासन ने इसे खर्च नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

ऑनलाइन बैठकों को मिलेगा बढ़ावा

राज्य शासन ने विभागों को निर्देशित किया है कि भौतिक बैठकें यथासंभव महीने में केवल एक बार आयोजित की जाएं। इसके स्थान पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और ऑनलाइन बैठकों को प्राथमिकता देने कहा गया है। विभागीय समीक्षा बैठकें भी अब वर्चुअल माध्यम से आयोजित करने पर जोर दिया गया है।

छत्तीसगढ़ की बहुचर्चित सीडी कांड पर सीबीआई को नोटिस

आरोप तय करने के खिलाफ विनोद वर्मा की याचिका पर सुनवाई,पूर्व सीएम बघेल भी है दोषी

बिलासपुर,16 मई 2026। पूर्व मंत्री व भाजपा नेता राजेश मूणत से जुड़े बहुचर्चित सीडी केस में विनोद वर्मा पर आरोप तय करने सत्र न्यायालय के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। इस मामले की सुनवाई के बाद जस्टिस राधाकिशन अग्रवाल ने सीबीआई को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। बता दें कि इस केस में पूर्व सीएम भूपेश बघेल को भी दोषी माना गया है। प्रदेश की बहुचर्चित सेक्स सीडी कांड 2017 और 2018 में सुर्खियों में रहा है। तत्कालीन मंत्री राजेश मूणत से जुड़े अश्लील क्लिप वाली सीडी को बनाने और बंटवाने के आरोप में पुलिस ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्कालीन अध्यक्ष भूपेश बघेल और उनके मीडिया सलाहकार विनोद वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। इसके एक दिन पहले एक और एफआईआर भाजपा कार्यकर्ता प्रकाश बजाज की शिकायत पर अज्ञात व्यक्ति के नाम पर दर्ज की गई थी। पहली एफआईआर में भयादोहन कर धन संपत्ति वसूलने का अपराध कायम हुआ था, दूसरी एफआईआर में आईटी एक्ट के तहत अश्लील वीडियो प्रसारित करने का आरोप था। एफआईआर के बाद 26 -27 अक्टूबर 2017 की रात को गाजियाबाद में विनोद वर्मा के घर पर पुलिस की रेड हुई थी और उन्हें गिरफ्तार किया गया था,उसके विरोध में दूसरे दिन 27 अक्टूबर 2017 को भूपेश बघेल ने प्रेस कांफ्रेंस कर,तथाकथित सीडी का वितरण पत्रकारों को किया गया था।

सीबीआई जांच के लिए सौंप दिया था मामला

बाद में दोनों एफआईआर को सीबीआई को ट्रांसफर कर दिया गया। सीबीआई निर्धारित अवधि में चालान पेश नहीं कर पाई, जिसके आधार पर विनोद वर्मा को दिसंबर 2017 में 63 दिन बाद जमानत मिल गई थी। अक्टूबर 2018 में सीबीआई द्वारा प्रस्तुत चालान में न केवल विनोद वर्मा और भूपेश बघेल बल्कि भारतीय जनता पार्टी से जुड़े कैलाश मुरारका, विजय पांडे और भिलाई के व्यापारी विजय भाटिया को आरोपी बनाया गया था।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)